वर्ष : 34 ▸ अंक : 111 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, शुक्रवार, 27 जून 2025 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं!

- महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की याचिका पर जुलाई में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत
- बॉम्बे हाईकोर्ट भी 18 जुलाई से करेगा सुनवाई शुरू

जुलाई में 'सुप्रीम' सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की संवैधानिक वैधता को लेकर एक बार फिर कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर दायर नई याचिका पर जुलाई में सुनवाई के लिए सहमति दी है। उधर, बॉम्बे हाईकोर्ट भी 18 जुलाई से इस मामले में फिर से सुनवाई शुरू करने जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 14 जुलाई वाले सप्ताह में सूचीबद्ध किया

यह मामला जस्टिस के. वी. विश्वनाथन और एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ के समक्ष शीघ्र सुनवाई के लिए रखा गया था। याचिकाकर्ता के वकील ने हाईकोर्ट के 11 जून के आदेश का हवाला दिया, जिसमें SEBC आरक्षण अधिनियम, 2024 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की दोबारा सुनवाई की बात कही गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी घटनाक्रमों को देखते हुए मामले को 14 जुलाई से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का फैसला लिया है।

हाईकोर्ट में विशेष पीठ गठित, लेकिन अंतरिम राहत नहीं

सुप्रीम कोर्ट पहले ही 14 मई को हाईकोर्ट को विशेष पीठ गठित कर शीघ्र सुनवाई का निर्देश दे चुका है। हालांकि, हाईकोर्ट ने अब तक कोई अंतरिम राहत नहीं दी और सीधे मामले की मेरिट पर सुनवाई करने का निर्णय लिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि 2024 अधिनियम के तहत हुई सभी नियुक्तियां और शैक्षणिक प्रवेश अंतरिम आदेश के अधीन रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट पहले ही कर चुका है 2018 के कानून को रद्द

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में 2018 के SEBC कानून को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया था। उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि मराठा समुदाय को सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा नहीं माना जा सकता और 50% आरक्षण की सीमा का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

क्या है मराठा आरक्षण कानून 2024?

महाराष्ट्र सरकार ने 20 फरवरी 2024 को नया कानून पारित कर मराठा समुदाय को शिक्षा और नौकरियों में 10% आरक्षण देने की व्यवस्था की थी। यह कानून सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुनील शुक्रे की अध्यक्षता वाले महाराष्ट्र पिछड़ा वर्ग आयोग (MSBCC) की रिपोर्ट के आधार पर लाया गया। रिपोर्ट में ₹अपवादस्वरूप परिस्थितियों₹ का हवाला देते हुए 50% आरक्षण सीमा को पार करना उचित बताया गया।

आतंकी साजिश का मामला

18 जगहों पर एनआईए के छापे

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले में गुरुवार को पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कुल 18 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की। कार्रवाई खालिस्तानी समर्थक नेटवर्क और उनसे जुड़े गैंगस्टरों की अवैध गतिविधियों के खिलाफ की गई। छापेमारी विशेष खुफिया इनपुट के आधार पर की गई, जिसमें राज्य पुलिस बलों ने एनआईए का सहयोग किया।

तीन राज्यों में एक साथ कार्रवाई

एनआईए की टीमें पंजाब के 9, हरियाणा के 7, और उत्तर प्रदेश के 2 स्थानों पर पहुंचीं। इन छापों का उद्देश्य उन नेटवर्क को तोड़ना है जो देश और विदेश में सक्रिय खालिस्तानी आतंकी संगठनों, खासकर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (BKI) के इशारे पर भारत में अशांति फैलाने की साजिश में लगे हैं। एनआईए ने बीते 22 जून को बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी लखबीर सिंह और उसके सहयोगी गैंगस्टर पवित्तर बटाला के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अब इस नेटवर्क से जुड़े एक और सहयोगी जतिंदर सिंह उर्फ जोती को लेकर जांच तेज की गई है।

मुंबई से गिरफ्तार, मध्य प्रदेश से हथियार तस्करी

गुरदासपुर (पंजाब) निवासी जतिंदर सिंह को 23 दिसंबर 2024 को मुंबई से गिरफ्तार किया गया था। एनआईए की जांच में पता चला कि जतिंदर मध्य प्रदेश से पंजाब में सक्रिय गैंगस्टरों को अवैध हथियारों की सप्लाई करता था। वह यह हथियार बलजीत सिंह उर्फ राणा भाई नामक सप्लायर से खरीदता था, जिसे एनआईए पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। यह हथियार पंजाब में खालिस्तानी आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पवित्तर बटाला के गुर्गों को सौंपे जाते थे।

हिंदी पर सियासत जारी

हिंदी नजरअंदाज नहीं कर सकते, मगर अनिवार्य न करें : पवार

▸▸ शिव सेना व एमएनएस ने त्रिभाषा नीति को लागू नहीं करने की दी धमकी

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी-एसपी) प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र में कक्षा 1 से हिंदी को अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। नई भाषा को शामिल करना है तो उसे कक्षा 5 के बाद ही लागू किया जाए। पवार ने कहा कि देश का एक बड़ा वर्ग हिंदी बोलता है, ऐसे में इसकी पूरी तरह अनदेखी करने का कोई कारण नहीं है।

भाजपा भाषा के नाम पर बांटने का काम कर रही है

शिव सेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को आरोप लगाया कि भाजपा भाषा के नाम पर बांटने का काम कर रही है। ठाकरे ने कहा सत्तारूढ़ केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भाषा का आपातकाल लगा रही है। उन्होंने कहा कि वह हिंदी के विरोधी नहीं हैं, लेकिन वह निश्चित तौर पर मराठी राज्य में हिंदी थोपे जाने के विरोध में हैं।

30 जून से मुंबई में महाराष्ट्र विधानमंडल का वर्षाकालीन सत्र

मुंबई। महाराष्ट्र विधानमंडल का वर्षाकालीन सत्र 30 जून से 18 जुलाई तक मुंबई में आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय गुरुवार को विधानमंडल कामकाज समिति की बैठक में लिया गया। विधानमंडल के सचिव जीतेंद्र जितेन्द्र भोले ने बताया कि वर्षाकालीन सत्र का कामकाज तय करने के लिए गुरुवार को विधानभवन में कामकाज सलाहकार की समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आदि कई नेतागण उपस्थित थे।

ठाणे-बोरीवली सुरंग परियोजना को मिली रफ्तार

- मुख्यमंत्री फडणवीस ने तीन साल में पूर्ण करने का दिया आदेश
- हर बुनियादी परियोजना तय समय में पूरी होगी: सीएम

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/ठाणे

राज्य सरकार ने बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं को अब लंबित न रखने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को हुई एक समीक्षा बैठक में निर्देश दिए कि राज्य में ऐसी कोई भी परियोजना अधूरी नहीं रहनी चाहिए और अगले तीन वर्षों के भीतर सभी बुनियादी परियोजनाएं पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री ने बताया कि ठाणे से बोरीवली के बीच बन रही दोहरी सुरंग परियोजना को दिसंबर 2028 तक पूरा किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 12,057 करोड़ है। सुरंग की कुल लंबाई 11.84 किलोमीटर होगी।

प्रभावितों का पुनर्वसन अभियान के तहत एक माह में पूरा होगा

परियोजना के चलते प्रभावित होने वाले लोगों का पुनर्वसन विशेष अभियान चलाकर एक महीने में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुनर्वसन के लिए किराया सहायता या अन्य आवासीय परियोजनाओं में समायोजन का विकल्प दिया जाए। इसके लिए एक जिम्मेदार अधिकारी की नियुक्ति कर पूरी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूर्ण की जाएगी।

इसके पूरा होने के बाद सवा घंटे का सफर केवल 15 मिनट में तय किया जा सकेगा, जिससे समय के साथ-साथ ईंधन की भी बड़ी बचत होगी।

क्या होगा दोहरी सुरंग परियोजना में

- ठाणे-बोरीवली दोहरी सुरंग की कुल लंबाई : 11.84 किमी
- परियोजना के पूरा होने के बाद : सालाना 1.4 लाख मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी
- फिलहाल ठाणे से बोरीवली की दूरी तय करने में 1 से 1.25 घंटे लगते हैं, सुरंग के बाद यह सफर महज 15 मिनट में पूरा हो

परियोजना दो हिस्सों में बनाई जाएगी

- पैकेज 1 (बोरीवली की तरफ) : 5.75 किमी, अनुमानित खर्च - 6,178 करोड़ रुपए
- पैकेज 2 (ठाणे की तरफ) : 6.09 किमी, अनुमानित खर्च - 5,879 करोड़ रुपए
- परियोजना का कुल अनुमानित खर्च : 12,057 करोड़ रुपए

परियोजना में तेजी लाने के लिए वन विभाग से मांगी अनुमति

फडणवीस ने कहा कि संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में सुरंग निर्माण के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। परियोजना कार्य को रफ्तार देने के लिए वन विभाग से दूसरे चरण की अनुमति और रात में काम करने की अनुमति भी तुरंत लेने को कहा गया है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी रहे मौजूद

इस उच्चस्तरीय बैठक में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद थे। बैठक में परियोजना की प्रगति, बजट, पुनर्वसन योजना और पर्यावरणीय स्वीकृतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। सरकार का लक्ष्य है कि मेट्रो और सुरंग जैसे अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को समयसीमा के भीतर पूरा कर मुंबई के ट्रैफिक और यात्रा समय की बड़ी समस्या को हल किया जा सके।

वकील के खाते से 90 हजार उड़ाने वाला ऑटो रिक्शा चालक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बांद्रा पुलिस ने एक वकील के बैंक खाते से 90,518 अवैध रूप से ट्रांसफर करने वाले 26 वर्षीय ऑटो रिक्शा चालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान फुरकान शेख के रूप में हुई है, जिसे गोवंडी इलाके से पकड़ा गया। बांद्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक संजय मराठे ने बताया कि पीड़ित वकील की दृष्टि कमजोर होने के कारण उन्होंने किराए के भुगतान के लिए अपना मोबाइल ऑटो चालक को दिया था। आरोपी ने इसी का फायदा उठाते हुए, किराए के बहाने बड़ी रकम को कई अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया। पूछताछ में फुरकान शेख ने स्वीकार किया कि उसने अपने ऊपर चढ़े कर्ज को चुकाने के लिए यह साइबर फ्रॉड किया। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है, ताकि यह भी पता लगाया जा सके कि ट्रांजैक्शन में जिन खातों का इस्तेमाल हुआ, वे किसके नाम पर हैं।

बांद्रा पुलिस कर रही है गहन जांच

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

अवैध इमारत पर चला मनपा का बुलडोजर

- 12 अनाधिकृत दुकानों को जेसीबी से किया गया ध्वस्त

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ मनपा ने सख्त कार्रवाई करते हुए 12 दुकानों को जेसीबी मशीन की मदद से तोड़ दिया। यह कार्रवाई कामतघर इलाके के सर्वे क्रमांक 4/1/ए पर स्थित एक अनधिकृत इमारत के खिलाफ की गई, जिसे भगवान मल्लेशम उपुल्ला द्वारा अवैध रूप से निर्मित किया गया था। मनपा आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश और उपायुक्त विक्रम दराडे व सहायक आयुक्त सुरेंद्र भोईर के नेतृत्व में यह कार्रवाई अंजाम दी गई। कार्रवाई के दौरान बीट निरीक्षक सूरज गायकवाड, कर्मचारी नारायण पाटिल, इंद्रपाल जाधव, जयेश जाधव और अतिक्रमण विभाग की पूरी टीम मौजूद रही।

पुलिस सुरक्षा में हुई कार्रवाई

अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। उसके पश्चात भिवंडी शहर पुलिस थाने की सहायता से बुधवार को जेसीबी मशीनों की मदद से 12 अवैध दुकानों को गिराया गया।

अवैध निर्माणों पर लगातार कार्रवाई

मनपा अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई वार्ड क्रमांक 3 में अनधिकृत निर्माणों को लेकर नागरिकों की शिकायतों के आधार पर की गई है। प्रशासन ने संकेत दिया है कि भविष्य में भी ऐसे अवैध निर्माणों पर इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी।

भिवंडी-वाडा रोड और खारबाव-चिंचोटी मार्ग पर चार साल में 75 मौतें, 138 दुर्घटनाएं

श्रमजीवी संगठन का अनिश्चितकालीन चक्का जाम

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी-वाडा और खारबाव-चिंचोटी रोड की बदहाल हालत के खिलाफ श्रमजीवी संगठन ने गुरुवार से अनिश्चितकालीन चक्का जाम आंदोलन शुरू कर दिया है। इन सड़कों पर गड्ढों की भरमार और मरम्मत की अनदेखी के चलते बीते चार वर्षों में 75 लोगों की जान जा चुकी है और 138 से अधिक दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। सड़क पर चलना मौत से खेलने जैसा हो गया है। संगठन के महासचिव बलराम भोईर, जिला अध्यक्ष अशोक साप्ते और प्रदेश उपाध्यक्ष दत्तात्रय कोलेकर के नेतृत्व में खारबाव रोड के कावड़ नाका, नंदीठाणे, अंबाडी नाका, मालोडी और चिंचोटी सहित वाडा तालुका के कुडुस, शिरीषपाड़ा, खंडेश्वरी और वाडा में सड़क को जाम किया गया। आंदोलनकारियों ने सड़कों पर तिरपाल बिछाकर चूल्हे जलाए और वहीं बैठ गए।

इस विरोध को सामाजिक संगठनों और रिक्शा चालकों का समर्थन मिला है।

आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सुबह से ही भारी वाहनों की आवाजाही रोक दी और हर मोड़ पर सुरक्षा बल तैनात कर दिए। इसके चलते भिवंडी-वाडा रोड पर सुबह 10 बजे से यातायात पूरी तरह से ठप हो गया। इसका असर स्कूली बच्चों और यात्रियों पर पड़ा, जो रास्ते में ही फंसे रहे।

392 करोड़ की सड़क आज भी गड्ढों में तब्दील

64 किलोमीटर लंबी भिवंडी-वाडा-मनोर सड़क वर्ष 2012 से BOT मॉडल पर बनाई जानी थी, जिसके तहत सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा टोल वसूला जा रहा था। लेकिन सड़क की स्थिति सुधरी नहीं, और लोगों के गुस्से के बाद टोल बंद कर दिया गया। 2019 से लोक निर्माण विभाग ने 150 करोड़ रुपए मरम्मत पर खर्च किए, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। ठेकेदारों – जिजाऊ कंस्ट्रक्शन, मयूर कंस्ट्रक्शन, हर्षद गंधे, और गजानन एंटरप्राइजेज – पर बिना काम किए करोड़ों के बिल पास कराने के आरोप लगे हैं।

'विधान परिषद में की गई घोषणा बन गई मजाक'

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे प्रमोद पवार ने कहा कि 18 दिसंबर 2023 को विधान परिषद में तत्कालीन निर्माण मंत्री रवींद्र चव्हाण ने जिजाऊ कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्ट करने की घोषणा की थी, लेकिन 19 महीने बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने विधानसभा में दिए गए अपने ही बयान को भुला दिया है।

खस्ताहाल सड़कों और हादसों के खिलाफ नागरिकों का फूटा गुस्सा

- प्रशासन के खिलाफ निकाला मोर्चा, एसआईटी जांच और मुआवजे की मांग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

खस्ताहाल सड़कों, जानलेवा गड्ढों और बढ़ते सड़क हादसों से नाराज भिवंडी के नागरिकों ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया। 'भिवंडी नागरिक जीवन बचाओ संघर्ष समिति' के नेतृत्व में शिवाजी चौक से मोर्चा निकाला गया, जिसमें सभी धर्मनिरपेक्ष दलों के नेता और सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने प्रांत अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए सड़क मरम्मत, SIT जांच और मृतकों को मुआवजे की मांग की।

मोर्चे का नेतृत्व कर रहे एडवोकेट किरण चन्ने ने बताया कि पडघा, माणकोली, कासेली और वाडा रोड पर पिछले कुछ वर्षों में 350 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों घायल हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि PWD और ठेकेदारों की लापरवाही से सड़कें आज भी अधूरी हैं और जनता की जान से खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने SIT जांच, भारी वाहनों पर रोक और सड़क निर्माण की निगरानी की मांग की।

'डांबर चेहरे पर पोतने की नौबत न आए'

अल्हाज बदीउज्जमान खान ने कहा कि थाना रोड और निजामपुरा रोड की हालत बदतर है। ठेकेदारों द्वारा खोदी गई सड़कों से स्कूली बच्चों और राहगीरों की जान खतरे में है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता के सब्र का इम्तिहान न लिया जाए, वरना ठेकेदारों के चेहरे पर डांबर पोतने जैसी नौबत आ सकती है। उन्होंने पुलिस विभाग से भी जांच की मांग की कि कहीं कोई रिश्वतखोरी तो नहीं हुई है।

डिप्टी कलेक्टर ने दिए आश्वासन

प्रदर्शन के बाद डिप्टी कलेक्टर ने निम्नलिखित आश्वासन दिए कि 15 दिनों में सभी गड्ढों की मरम्मत पूरी होगी। सड़क निर्माण की SIT जांच कराई जाएगी। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगेगा। NO ENTRY FOR HEAVY VEHICLES के बोर्ड 4 दिनों में लगाए जाएंगे। PWD और मनपा को जवाबदेह बनाते हुए पत्र भेजा जाएगा। 15 दिन में पूरी रिपोर्ट नागरिकों को दी जाएगी।

अपहृत बच्ची को पुलिस ने कुछ ही घंटों में किया बरामद

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

बदलापुर पश्चिम पुलिस थाना क्षेत्र से अपहृत 4 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने मात्र कुछ घंटों में सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में उल्हासनगर अपराध अन्वेषण विभाग ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले से गिरफ्तार कर लिया है। अपहरण की वारदात सामने आने के बाद पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी की पहचान रंजीत बिसनलाल घुर्वे के रूप में हुई है, जो बच्ची को लेकर छिंदवाड़ा जिले के उमरेठ तहसील के मोरडोगरी गांव भाग गया था। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव और परिमंडल-4 के उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक अशोक कोळी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने छिंदवाड़ा पहुंचकर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और चतुराई से उसे गिरफ्तार कर उल्हासनगर लाया गया।

परिवार को सौंपी गई बच्ची

पुलिस ने बच्ची को बिना किसी क्षति के सकुशल बचाया और उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया। फिलहाल आरोपी से गहन पूछताछ जारी है। इस ऑपरेशन में पुलिस उपनिरीक्षक नागेश्वर मुंडे, राजेंद्र थोरवे, हवलदार चंद्रकांत पाटील, गणेश गावड़े, चंद्रकांत सावंत, रामदास उगले, महेश जाधव सहित रेलवे पुलिस ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

'तुरंत कनेक्शन दें, नहीं तो होगी कार्रवाई'

- पाइपलाइन गैस कनेक्शन में देरी पर भड़के सांसद नरेश म्हस्के

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

पुराने ठाणे शहर के नागरिकों को अब भी घरेलू पाइपलाइन गैस कनेक्शन न मिलने से नाराजगी बढ़ रही है। इस मुद्दे को लेकर ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के ने महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि नागरिकों को तुरंत गैस कनेक्शन नहीं दिया गया, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नौपाड़ा, राम मारुति रोड, घंटाली, भास्कर कॉलोनी जैसे इलाकों में कई सोसायटियों को अभी भी सिलेंडर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। नागरिकों की शिकायत है कि उन्होंने वर्षों पहले आवेदन दिया, बैठकें कीं, प्रक्रिया पूरी की, फिर भी कनेक्शन नहीं मिला।

विशेष बैठक में फूटा नागरिकों का आक्रोश

इस मुद्दे को लेकर शिवसेना के पदाधिकारी किरण नकटी, प्रकाश पायरे, बाला गवस और संजीव कुलकर्णी की पहल पर आनंद आश्रम में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सांसद म्हस्के ने की। इसमें महानगर गैस के वरिष्ठ अधिकारी प्रशांत कोठेगांवकर, इंजीनियर और विभिन्न हाउसिंग सोसायटियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में नागरिकों ने बताया कि कहीं लाइन पहुंची ही नहीं, कहीं कागजी प्रक्रिया के बावजूद कनेक्शन नहीं हुआ, और कहीं तकनीकी अड़चनों से काम अटका है। चूंकि महानगर गैस एकमात्र सेवा प्रदाता है, इसलिए नागरिकों के पास कोई विकल्प नहीं है। इस पर सांसद म्हस्के ने कहा – 'अगर एमजीएल नागरिकों की समस्याओं को नजरअंदाज करेगा, तो हम चुप नहीं बैठेंगे।'

महानगर गैस ने दिया त्वरित समाधान का आश्वासन

इस मौके पर एमजीएल के वरिष्ठ अधिकारी प्रशांत कोठेगांवकर ने कहा कि जल्द से जल्द पाइपलाइन कनेक्शन प्रदान कर दिया जाएगा और लंबित समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाएगा। बैठक में विलास जोशी, भास्कर पाटिल, प्रीतम राजपूत समेत कई स्थानीय नागरिक, शिवसेना पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। नागरिकों ने उम्मीद जताई कि सांसद की चेतावनी और बैठक के बाद अब कनेक्शन मिलने की राह आसान होगी।

केवल दो महीने में बकाया बिजली बिलों में 210 करोड़ की बढ़ोत्तरी

- जून के अंत तक 344 करोड़ वसूलने का लक्ष्य

डीबीडी संवाददाता । कल्याण/वसई/पालघर

महावितरण ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बकाया और चालू बिजली बिलों का समय पर भुगतान करें, अन्यथा बाध्य होकर उनकी बिजली आपूर्ति काटनी पड़ेगी। यह चेतावनी कल्याण सर्किल के मुख्य अभियंता चंद्रमणि मिश्रा ने तब दी जब सामने आया कि केवल अप्रैल और मई के दो महीनों में बकाया बिजली बिलों में 210 करोड़ रुपए की भारी वृद्धि हुई है।

मार्च 2025 के अंत तक 25.23 करोड़ और जून महीने का 108.76 करोड़ रुपए का बकाया मिलाकर अब 344 करोड़ रुपए की वसूली का लक्ष्य रखा गया है, जो 30 जून तक प्राप्त किया जाना है।

क्षेत्रवार बकाया विवरण

- कल्याण सर्कल I (कल्याण पूर्व/पश्चिम, डोंबिवली) : 60.26 करोड़
- कल्याण सर्कल II (उल्हासनगर, बदलापुर, ग्रामीण क्षेत्र) : 106 .35 करोड़
- वसई सर्किल (वसई, विरार) : 123 .43 करोड़
- पालघर सर्किल : 53 .93 करोड़

सरकारी अधिकारी की मिलीभगत से चल रहे हैं 81 अनाधिकृत स्कूल

- विधायक केलकर ने की बिजली और पानी की आपूर्ति बंद करने की मांग
- दिवा में सर्वाधिक 65 स्कूल गैरकानूनी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे शहर में तेजी से बढ़ रहे अनाधिकृत स्कूलों के खिलाफ अब सख्ती की मांग तेज हो गई है। विधायक संजय केलकर ने इन स्कूलों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि यह सब सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा है। उन्होंने इन स्कूलों की बिजली और पानी की आपूर्ति तुरंत बंद करने की मांग की है। शहर के कुल 81 अनधिकृत स्कूलों में से 65 स्कूल दिवा इलाके में चल रहे हैं। यह स्कूल बिना किसी मान्यता के संचालित हो रहे हैं और छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विधायक केलकर ने सवाल उठाया कि 'शुक्राचार्य कौन हैं जो इन स्कूलों का समर्थन कर रहे हैं?'

शिक्षा विभाग द्वारा इन स्कूलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, लेकिन अब तक किसी भी स्कूल संचालक की गिरफ्तारी नहीं हुई। उल्टा, यह स्कूल पहले की तरह सुचारु रूप से चल रहे हैं। केलकर ने आरोप लगाया कि 'इन स्कूलों को सरकारी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी आदि मिल रही हैं, जो बिना अधिकारियों की मिलीभगत के संभव नहीं।' उन्होंने कहा कि अनधिकृत निर्माणों की तरह अनधिकृत स्कूलों का नेटवर्क भी तेजी से फैल रहा है, विशेषकर मुंब्रा और दिवा में।

बच्चों का भविष्य अधर में

केलकर ने कहा कि इन स्कूलों के चलते आम नागरिकों और छात्रों के साथ बड़ा धोखा हो रहा है। शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले ही शिक्षा अधिकारियों को इन छात्रों को अधिकृत स्कूलों में समायोजित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया।

सख्त कार्रवाई की मांग

अधिकृत स्कूलों के संगठन के पदाधिकारियों ने हाल ही में विधायक केलकर से मुलाकात की थी। इसके बाद केलकर ने पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे से चर्चा कर तत्काल कार्रवाई और समीक्षा की मांग की। उन्होंने कहा कि डुंबरे इस पूरे मामले की समीक्षा करेंगे और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाएंगे।

मीरा-भायंदर में एमएमआरडीए ने शुरू किया सड़कों का मरम्मत कार्य

डीबीडी संवाददाता । मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) और मनपा के संयुक्त प्रयास से सीमेंट कंक्रीट सड़कों का निर्माण और मरम्मत कार्य विभिन्न स्थानों पर तेजी से चल रहा है। इस कार्य के तहत कई स्थानों पर सड़कें खोदी गई हैं, जहां सीवरेज लाइन और जल आपूर्ति चैनलों का काम भी जारी है। मनपा प्रशासन ने इन सड़कों की खुदाई के दौरान यातायात सुगमता और नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए संबंधित ठेकेदारों को आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए नोटिस जारी किए हैं। हर साल मानसून के दौरान सड़कों पर बनने वाले गड्ढों की समय रहते मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए मनपा ने तीन ठेकेदारों को काम सौंपा है।

राजमार्ग और मेट्रो क्षेत्र की सड़कों की भी दी जा रही निगरानी

फाउंटेन होटल से दहिसर चेक नाका तक का मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 08 के अंतर्गत आता है, जिसकी मरम्मत के लिए समय-समय पर संबंधित विभाग को सूचित किया गया है। वहीं, दहिसर चेक नाका से लेकर भायंदर (पश्चिम) सुभाष चंद्र बोस मैदान तक मेट्रो-9 परियोजना का कार्य एमएमआरडीए द्वारा किया जा रहा है, जिसे भी सड़क मरम्मत को लेकर नियमित जानकारी दी जा रही है।

'बुवाई के लिए तुम्हारे बाप को छह हजार रुपए देते हैं मोदी'

- भाजपा विधायक बबनराव लोणीकर का विवादित बयान
- फडणवीस ने भी लगाई फटकार
- विपक्ष ने कहा- यह किसानों और युवाओं का अपमान

डीबीडी संवाददाता । जालना/मुंबई

भाजपा विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री बबनराव लोणीकर एक विवादित बयान को लेकर राजनीतिक घमासान में घिर गए हैं। उन्होंने युवाओं को लेकर कहा कि तुम्हारे शरीर के कपड़े, बूट, मोबाइल, यहां तक कि पेंशन और प्रधानमंत्री योजनाएं हमारी सरकार के कारण हैं। इस बयान पर विपक्ष ने उन्हें घेरा, जबकि खुद भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नाराजगी जताते हुए उन्हें जनता का सेवक बनने की सीख दी।

क्या कहा था लोणीकर ने?

जालना के परतूर में एक कार्यक्रम में लोणीकर ने युवाओं की सोशल मीडिया टिप्पणियों पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि तुम्हारे शरीर के कपड़े हमारी सरकार के हैं। मोबाइल, जूते तक हमारी वजह से हैं। तुम्हारे बाप की पेंशन मैंने मंजूर करवाई। तुम्हारी मां-बहन को लाडली बहना योजना की राशि हमारी सरकार ने दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर सरकार और भाजपा नेताओं की आलोचना करने वाले युवाओं को 'बिना काम के बैठे हुए' कहा और यह भी आरोप लगाया कि वे प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस के समर्थकों को 'अंधभक्त' कहते हैं।

फडणवीस ने जताई असहमति

गुरुवार को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लोणीकर का यह बयान पूरी तरह अनुचित है। हमें इस तरह की भाषा का अधिकार नहीं है। हम जनता के मालिक नहीं, बल्कि प्रधानसेवक हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद यही कहते हैं।

विपक्ष का तीखा हमला

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि जो नेता किसानों और उनके बच्चों का अपमान करे, वह मानसिक रूप से विकृत है। लोणीकर को तत्काल माफी मांगनी चाहिए।
विवाद बढ़ने के बावजूद बबनराव लोणीकर ने अपने बयान को सही ठहराते हुए कहा कि मैं गलत नहीं हूं, फिर भी अगर किसी को बुरा लगा तो माफी मांगता हूं।

आपकी नेतागिरी जनता की वजह से है, याद रखेंगे बयान: दानवे

उद्धव सेना के विधान परिषद सदस्य और सदन में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने भाजपा विधायक की टिप्पणियों के लिए उन पर निशाना साधा और उन्हें 'अंग्रेजों का स्वदेशी संस्करण' करार दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में ऐसी भाषा बोलना ठीक नहीं है। दानवे ने लोनीकर पर निशाना साधते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'आपका विधायक का दर्जा लोगों की वजह से है। आपके कपड़े, जूते, हवाई टिकट, नेतागिरी, (आपकी) कार में डीजल भी लोगों की वजह से है।'

कामकाजी महिला को भी गुजारा भत्ते का हक : हाईकोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि सिर्फ कामकाजी होने के आधार पर किसी महिला को उसके अलग हुए पति से गुजारा भत्ता देने से इनकार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि कामकाजी महिला भी उसी जीवन स्तर की हकदार है, जिसकी वह शादी के दौरान आदी थी।

पत्नी की कमाई पर्याप्त नहीं, कोर्ट ने कहा

न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की एकल पीठ ने 18 जून को दिए गए आदेश में यह टिप्पणी की, जिसकी प्रति गुरुवार को उपलब्ध कराई गई। पीठ ने एक व्यक्ति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। परिवार अदालत ने अगस्त 2023 में व्यक्ति को अपनी पत्नी को हर माह 15,000 गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

पति ने दी ये दलील

पति की ओर से कहा गया कि उसकी पत्नी 25,000 रुपए प्रतिमाह कमाती हैं, इसलिए उन्हें उच्च गुजारा भत्ते की आवश्यकता नहीं है। लेकिन कोर्ट ने इसे मानने से इनकार करते हुए कहा कि महिला की आय उसकी न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं है, क्योंकि उसे अपनी नौकरी के लिए रोजाना लंबी दूरी की यात्रा करनी पड़ती है।

'सभ्य जीवन जीने की स्थिति नहीं'

हाईकोर्ट ने कहा कि इतनी आय के साथ महिला एक सम्मानजनक और सभ्य जीवन जीने की स्थिति में नहीं है। इसलिए, वह भत्ता पाने की पूरी तरह हकदार है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि गुजारा भत्ते का उद्देश्य महिला को वित्तीय आत्मनिर्भरता दिलाना ही नहीं, बल्कि उसे विवाह के समय के जीवन स्तर के अनुरूप जीवन जीने में मदद करना भी है। हाईकोर्ट ने अंततः पति की याचिका खारिज कर दी और पारिवारिक अदालत द्वारा दिए गए भत्ते के आदेश को बरकरार रखा।

बार में छापेमारी के दौरान सिर्फ मौजूद रहने पर नहीं चल सकता केस: बॉम्बे हाईकोर्ट

तेजस हरेश हकानी के खिलाफ मामला रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति पर सिर्फ बार या रेस्टोरेंट में छापेमारी के समय मौजूद रहने भर से आपराधिक मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, जब तक उस पर किसी आपत्तिजनक कृत्य में शामिल होने का प्रत्यक्ष आरोप न हो। यह फैसला हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति ए.एस. गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटील की खंडपीठ ने तेजस हरेश हकानी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता की ओर से वकील आशीष दुबे और राहुल त्रिपाठी ने दलील दी थी कि वह महज मौके पर मौजूद था और कोई अश्लील कृत्य नहीं कर रहा था।

कोर्ट ने किया मजिस्ट्रेट के समक्ष लंबित मामला रद्द

पीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि किसी स्थान पर महज मौजूदगी, जहां कोई और व्यक्ति आपत्तिजनक कार्य कर रहा हो, आरोपी को आईपीसी की धारा 294 और 114 के तहत दंडनीय नहीं बनाती। अदालत ने रुषभ मिनिष कुमार मेहता बनाम महाराष्ट्र राज्य (14 जनवरी 2021) मामले का हवाला दिया जिसमें भी यह स्थापित किया गया था कि दर्शक मात्र होने पर आपराधिक धाराएं लागू नहीं होतीं।

पुलिस ने 2022 में की थी छापेमारी

यह मामला 22 अप्रैल 2022 की रात अंधेरी (पूर्व) के कोलडोंगरी स्थित पंजाब रेस्टोरेंट एंड बार (समीत पैलेस) में पुलिस छापेमारी से जुड़ा था। पुलिस का आरोप था कि वहां महिलाएं अश्लील नृत्य कर रही थीं और मौजूद लोग उन पर पैसे उड़ा रहे थे। पुलिस ने इस दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया था, जिनमें याचिकाकर्ता तेजस हरेश हकानी भी शामिल थे।

लगी थीं कई गंभीर धाराएं

तेजस हकानी के खिलाफ अंधेरी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 308, 294, 114 और 34, तथा महाराष्ट्र होटल, रेस्टोरेंट और बार रूम में अश्लील नृत्य निषेध अधिनियम 2016 की धारा 3, 8 (1)(2)(4) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

सीआरपीसी की धारा 482 के तहत याचिका

तेजस हकानी ने सीआरपीसी की धारा 482 के तहत मामला रद्द करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि जब कोई व्यक्ति न तो आयोजक है और न ही कृत्य में भागीदार, तो केवल उसकी उपस्थिति अपराध नहीं मानी जा सकती।

कोरोना के 30 नए मामले, 3 लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमण एक बार फिर चिंता बढ़ा रहा है। राज्य में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 30 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि तीन मरीजों की मौत हो चुकी है। मृतकों में एक सतारा और दो नागपुर जिले से हैं।
राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, नए मरीजों में 8 मुंबई, 3 ठाणे, 2-2 नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली, 8 पुणे, 5 नागपुर, 1-1 कोल्हापुर और सांगली से हैं।
स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से अब तक राज्य भर में 2,425 कोरोना मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 36 मरीजों की मौत हो चुकी है। वहीं, इस दौरान 27,394 लोगों का परीक्षण किया गया है और 2,166 मरीज ठीक भी हो चुके हैं।मुंबई में 1 जनवरी से अब तक 973 मरीजों की पुष्टि हुई है, जिनमें केवल जून में 532 मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा शहर में संक्रमण के बढ़ते खतरे की ओर संकेत कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है।

एयरपोर्ट पर पांच साल में 229 बार टकराए पक्षी

- मंत्री आशीष शेलार ने दिए समाधान तलाशने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अहमदाबाद में हाल ही में हुए विमान हादसे के बाद महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई हवाई अड्डे की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। मुंबई उपनगर के पालक मंत्री आशीष शेलार ने जानकारी दी कि पिछले पांच वर्षों में मुंबई एयरपोर्ट पर विमानों से पक्षियों की टकराने की 229 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इस पर गंभीर चिंता जताते हुए उन्होंने तीन माह के भीतर तकनीकी और व्यावहारिक समाधान खोजने के निर्देश दिए हैं।

डम्पिंग ग्राउंड से पक्षियों की आवाजाही रोकने की तैयारी

मंत्री शेलार ने बताया कि कांजुरमार्ग, देवनार और वर्सोवा जैसे डम्पिंग ग्राउंड हवाई अड्डे के आसपास स्थित हैं, जहां बड़ी संख्या में कचरे के कारण पक्षी मंडराते रहते हैं। उन्होंने कहा कि वर्सोवा में एक नई कचरा निस्तारण परियोजना शुरू की जाएगी, जबकि कांजुरमार्ग और देवनार में पक्षियों की पहुंच रोकने के लिए विशेष उपाय किए जाएंगे।

हर साल बढ़ रही हैं घटनाएं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार मुंबई में 2020 में 20, 2021 में 35, 2022 में 36, 2023 में 60, 2024 में 59 और 2025 में अब तक 19 पक्षी टकराने की घटनाएं हुई हैं।

नियमों की होगी सख्ती से पालना

शेलार ने स्पष्ट किया कि हवाई पट्टी से 10 किलोमीटर की परिधि में प्रतिबंधित गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुंबई एयरपोर्ट पर्यावरण समिति (AEMC) की बैठक जल्द आयोजित की जाएगी ताकि सभी विभागों के बीच समन्वय बनाकर समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

प्रशासन को दिए सख्त निर्देश

इस विषय पर शेलार ने बीएमसी, एयरपोर्ट प्राधिकरण और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर पक्षियों से विमान सुरक्षा को खतरे को खत्म करने के लिए नई परिकल्पनाएं, तकनीक और पर्यावरणीय संतुलन पर आधारित रणनीति बनाने के निर्देश दिए हैं।
शेलार ने कहा कि विमान दुर्घटनाओं से बचाव केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है। इसके लिए आसपास के नागरिकों को भी सहयोग करना होगा ताकि हवाई अड्डे के नजदीक साफ-सफाई और कचरे के निष्पादन में सतर्कता बरती जा सके।

छह महीने बाद भी नहीं सुलझा महामंडल का बंटवारा

स्थानीय चुनाव से पहले फैसला संभावित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में महायुति सरकार को बने छह महीने से अधिक का वक्त बीत चुका है, लेकिन भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और राकांपा (अजित पवार गुट) के बीच महामंडल बंटवारे को लेकर अब तक कोई सहमति नहीं बन सकी है। इस मुद्दे पर हाल ही में मुंबई में महायुति के नेताओं की बैठक हुई, जिसमें तीनों दलों के नेताओं ने फैसले का अधिकार मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार को सौंप दिया।

बैठक में बनी आंतरिक सहमति, पर फैसला नहीं

बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, शिवसेना नेता उदय सामंत और राकांपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे को महामंडल बंटवारे पर प्रारंभिक बातचीत का जिम्मा दिया गया था। हालांकि, सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि अंतिम निर्णय महायुति के तीनों शीर्ष नेताओं द्वारा लिया जाएगा।

पिछली सरकार में भी बना था गतिरोध

महायुति की पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान भी करीब ढाई साल तक महामंडल का बंटवारा लटका रहा था। चुनावी वर्ष में असंतोष बढ़ने के बाद उस समय मुख्यमंत्री शिंदे ने कुछ नेताओं को एकतरफा महामंडल सौंप दिए थे, जिस पर भाजपा और राकांपा नेताओं ने आपत्ति जताई थी।

स्थानीय चुनाव से पहले फैसला तय

अब उम्मीद जताई जा रही है कि राज्य में नवंबर में संभावित स्थानीय चुनावों से पहले महामंडल बंटवारा कर दिया जाएगा ताकि मंत्री पद से वंचित नेताओं की नाराजगी को दूर किया जा सके। खास बात यह है कि फडणवीस मंत्रिमंडल में अभी भी एक पद रिक्त रखा गया है, जिसे 'लॉलीपॉप' की तरह नाराज नेताओं को शांत करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। महामंडल बंटवारा अब सिर्फ प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक संतुलन और सत्ताधारी दलों के भीतर की नाराजगी को नियंत्रित करने का मुद्दा बन चुका है। फिलहाल पूरा राजनीतिक दबाव मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के फैसले पर टिका है, जिससे यह स्पष्ट है कि महायुति की आंतरिक खींचतान अभी थमी नहीं है।

महाराष्ट्र के 83 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को राजभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राज्य के 83 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया। यह अलंकरण उन अधिकारियों को प्रदान किया गया जिन्हें 2021 और 2022 के स्वतंत्रता दिवस पर इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया था। राज्यपाल ने समारोह में 41 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को पुलिस वीरता पदक, 3 अधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक, और 39 अन्य को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए।
इस अवसर पर महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री (ग्रामीण) डॉ. पंकज भोयर, राज्य की पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, होमगार्ड महानिदेशक रितेश कुमार, महाराष्ट्र पुलिस आवास एवं कल्याण महामंडल की महानिदेशक अर्चना त्यागी और मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। राज्यपाल राधाकृष्णन ने समारोह में अपने संबोधन में सम्मानित अधिकारियों की वीरता, कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ये पदक पुलिस बल के अद्वितीय योगदान का प्रतीक हैं और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

भायंदर लोकल हादसा

बेटे की मौत के 15 साल बाद पिता को मिला इंसाफ

- हाई कोर्ट ने रेलवे को दिया 4 लाख मुआवजे का आदेश
- टिकट न होने को नहीं माना गया मुआवजे से इनकार का आधार

मुंबई। भायंदर में 2010 में लोकल ट्रेन से गिरकर युवक की मौत के मामले में मृतक के पिता को 15 साल बाद बॉम्बे हाई कोर्ट से न्याय मिला है। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल मृतक के पास टिकट न मिलने के आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि वह वास्तविक यात्री नहीं था। कोर्ट ने रेलवे को 4 लाख रुपए का मुआवजा और उस पर घटना की तारीख से 8% ब्याज देने का आदेश दिया है।

रेलवे दावा न्यायाधिकरण ने कर दिया था मुआवजे से इनकार

मृतक कौशिक ठक्कर के पिता दामोदर ठक्कर ने रेलवे दावा न्यायाधिकरण के समक्ष अपील की थी, जिसे यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि मृतक के पास वैध टिकट नहीं था। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की। न्यायमूर्ति एन. जे. जमादार की एकल पीठ ने कहा कि मृतक के पास टिकट न मिलना केवल एक स्थिति है, इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि वह यात्री नहीं था। अदालत ने कहा कि "ऐसे मामले में मुआवजे से इनकार करना लाभकारी और कल्याणकारी कानून की भावना के विपरीत होगा।"

अदालत ने टिकट को लेकर अपनाई लचीली दृष्टि

कोर्ट ने कहा कि प्रारंभिक साक्ष्य दावेदारों को देने होते हैं, लेकिन एक बार यदि यह साबित हो जाता है कि मृतक यात्री था, तो फिर रेलवे को इसके विपरीत सबूत देने होंगे। अदालत ने माना कि दुर्घटना के समय टिकट का न पाया जाना कई बार परिस्थितियों पर निर्भर हो सकता है। गुजरात के अहमदाबाद निवासी मृतक कौशिक एक आयुर्वेदिक कंपनी में सेल्समैन के रूप में काम करता था।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांक A.E.(SWM)/GS/823/dtd.26.06.2025

ई.ओ.आई.सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका जी/साउथ वार्ड में विभिन्न मलिन बस्तियों में "**स्वच्छ मुंबई प्रबोधन अभियान**" योजना को लागू करने के लिए एनजीओ की नियुक्ति के लिए 02.07.2025 तक की अवधि के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.ई.) आमंत्रित करता है।"
विस्तृत जानकारी सहायक आयुक्त जी/साउथ वार्ड/सहायक अभियंता (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) जी/साउथ वार्ड के कार्यालय में उपलब्ध है। 2 दूसरी मंजिल, जी/साउथ वार्ड कार्यालय भवन, एन.एम. जोशी मार्ग, धानमिल नाका, मुंबई - 400 013, फोन. 022-24305031 एक्सटेंशन 124 या नगर निगम की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर उपलब्ध है।

हस्ता/-26.06.2025
सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम)
जी/साउथ वार्ड

पीआरओ/ 816/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

फिर अंतरिक्ष में दस्तक

अमेरिका के एक्सियम-4 मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिये भारतीय शुभांशु शुक्ला का रवाना होना, निश्चय ही भारत के लिए अंतरिक्ष में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह गर्व की बात है कि स्क्वाड्रन लीडर राकेश शर्मा के अंतरिक्ष में कदम रखने के 41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में पहुंचा है। दरअसल, ह्यूस्टन स्थित एक्सियम स्पेस नामक अमेरिकी कंपनी ने यह मिशन नासा व स्पेस एक्स के साथ मिलकर शुरू किया है। इस मिशन में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के साथ पौलेंड, हंगरी व अमेरिका के अंतरिक्ष यात्री भी हैं। यूं तो अंतरिक्ष यात्रियों में कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स का नाम लिया जाता है, लेकिन वे भारतीय मूल की थीं, भारतीय नहीं। दरअसल, एक्सियम-4 का सफल प्रक्षेपण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे भारत के महत्वाकांक्षी मानव मिशन गगनयान की पहली सीढ़ी माना जा रहा है। इस मिशन के अनुभवों से गगनयान अभियान की सफलता में मदद मिलेगी। दरअसल, गगनयान भारत का पहला स्वदेशी मानव मिशन है, जिसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को 2027 में अंतरिक्ष मिशन पर भेजा जाना है। एक्सियम-4 मिशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुए समझौते ने गति दी थी। जिसके चलते हम चार दशक बाद किसी दूसरे भारतीय को अंतरिक्ष में भेजने में सफल हो सके। कई तकनीकी कारणों से इस उड़ान में विलंब हुआ, लेकिन अंततः अंतरिक्ष यान का सफल प्रक्षेपण संभव हुआ। दरअसल, गगनयान के अलावा इसरो भारत के कई महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों पर तेजी से काम कर रहा है। इसमें वर्ष 2035 तक एक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और किसी भारतीय को चांद पर भेजना शामिल है। एक्सियम-4 मिशन को इन्हीं महत्वाकांक्षी अभियानों की आधारशिला बताया जा रहा है। एक अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को जो अनुभव मिलेंगे, उसका लाभ हमारे भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों को कामयाब बनाने में मिलेगा, क्योंकि इसरो को अभी तक अंतरिक्ष में मानव मिशन का अनुभव नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1984 में भारतीय वायुसेना के अधिकारी राकेश शर्मा ने तत्कालीन सोवियत संघ के सैल्यूट-7 अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ दिन बिताए थे। अब इस कड़ी में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का नाम भी जुड़ गया है। जिनका अनुभव निकट भविष्य में होने वाले अंतरिक्ष मिशनों में मददगार साबित होगा। निस्संदेह, पिछले एक दशक में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। चंद्रयान और मंगलयान अभियान की सफलता ने इसरो की क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। मोदी सरकार का आत्मनिर्भरता पर जोर स्वदेशी तकनीक और लागत प्रभावी समाधानों के जरिये रहा है। भारत की कोशिश है कि मानवयुक्त उड़ानों के लिये उसे अमेरिका व रूस पर निर्भर न रहना पड़े। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें चीन हमसे आगे है। भारत का महत्वाकांक्षी गगनयान अभियान इसी दिशा में इसरो की पहल है, ताकि भारत भी रूस, अमेरिका व चीन के समकक्ष वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में उभर सके। इसी कड़ी में भारत 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की भी महत्वाकांक्षा रखता है। ये असंभव नहीं है, लेकिन अभी हमें इस दिशा में बहुत कुछ करना बाकी है। दरअसल, एक्सियम-4 मिशन इसरो के लिये अनुसंधान के दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आईएसएस पर वैज्ञानिक अध्ययन व अनुसंधान की गतिविधियों में दुनिया के लगभग तीस देश शामिल होंगे। निस्संदेह, भारत को इस स्थिति का पूरा लाभ उठाना चाहिए। ताकि भविष्य में स्वदेशी मिशनों में ये अनुभव लाभदायक साबित हो सके। उल्लेखनीय है कि शुभांशु शुक्ला समेत एक्सियम-4 की टीम बीज अंकुरण और अंतरिक्ष में पौधे किस तरह उगते हैं, पर भी अध्ययन करेगी।

जो सबल है उसका ही इतिहास लिखा जाता है

अनूप उपाध्याय
(बैंकिंग क्षेत्र से सेवानिवृति के पश्चात् साहित्यिक विधा में सक्रिय)

आखिरकार बारह दिनों के बाद इजरायल और ईरान के बीच हो रहे एक छद्म युद्ध का विराम हो गया। अजब युद्ध के गजब समापन पर यह सोचना रह गया कि अन्त में इन दोनों देशों को क्या हासिल हुआ? जो इजरायल यह युद्ध इस मंसूबे के साथ लड़ रहा था कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम उसके स्वायत्तता के लिए खतरा है और वह इसके परमाणु कार्यक्रमों को रोकेगा, वह हासिल हो पाया? क्या ईरान ने यह वादा किया कि वह परमाणु कार्यक्रम रोकेगा? शायद नहीं। लेकिन यह जरूर हुआ कि इस जुनूनी लड़ाई में ईरान के उन्नीस वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों सहित सैकड़ों नागरिकों की मौत हो गई और हज़ारों लोग घायल हो गए। साथ ही ईरान के दस न्यूक्लियर साइंटिस्ट भी मारे गए और ईरान के परमाणु ठिकानों को भी भारी नुकसान उठना पड़ा।

जब ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रोमिस चलाया तो इसमें इजरायल के दर्जनों नागरिकों की मृत्यु हो गई, हज़ारों लोगों को पलायन करना पड़ा और कई हज़ार लोग घायल हुए। ईरान के हमलों से कई शहर जैसे तेल अवीव, हाइफ़ा और बीर शेवा को जबरदस्त नुकसान हुआ। साथ ही हाइफ़ा बंदरगाह, नौसेनिक अड्डे और रिफाइनरी भी क्षतिग्रस्त हुए। सबसे हतप्रभ करने वाली बात यह रही कि अमेरिका इस जंग में अंतिम दिन शामिल हुआ। यह उसकी दादागिरी की ज़िद और उतावलेपन का नतीजा था, जो उसे एक दुविधाजनक स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया था और ईरान पर सीधे हमला कर दिया। इसके जवाब में कतर स्थित अमेरिका के सैन्य अड्डे पर पहले से बता कर इजरायल ने चौदह मिसाइलें दागीं, जिसमें से तेरह को न्यूट्रलाइज़ कर दिया गया और एक से कोई हानि नहीं हुई। यह एपिसोड कितना हास्यास्पद था कि बता कर मिसाइलें दागी जाएँ! शायद यूएस के सैन्य ठिकानों पर ईरान के मिसाइल हमले बड़ी फिक्सिंग का अंजाम रहा होगा। इसी का अंजाम था कि आनन-फानन में युद्धविराम डिक्लेयर हो गया, भले ही उसके बाद भी ईरान मिसाइलें दागता रहा। जो भी हो, पर सीज़फायर उल्लंघन के आरोपों के बाद अब शांति है।

इस युद्ध से यह भले हो गया हो कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम कुछ समय के लिए विलंबित हो जाए, पर ईरान ने भी दुनिया के सबसे बड़े देश के सामने मोर्चा खोल कर डटा रहा, जैसे वह संकल्पित हो कि वह अपनी तेल से भरी धरती को संभालेगा, सहेजेगा और अंतिम परिणाम तक लड़ेगा। कहा जो भी जाए, पर "जिसकी लाठी, उसकी भैंस" वाली कहावत चरितार्थ है। अमेरिका, जो कि दुनिया का बॉस है और अपने को शांति दूत कहता है, उसके अलावा न कोई तीसरा बोल रहा है, न ही सही मायने में चिंतित है।

वास्तविकता यह है कि यह सब कुछ तमाशा है जब तक दूसरे के साथ हो रहा है। तभी तो मध्यस्थता के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। हवाहवाई और सभी फ़र्ज़अदायगी करते नज़र आए। युद्ध का परिणाम क्या हुआ, क्या कहा जाएगा, जब इजरायल कह रहा है कि हमने अपना उद्देश्य हासिल कर लिया है और हमारी जीत हुई है, उधर ईरान में जीत का जश्न मनाया जा रहा है कि हमने बिना शर्त सीज़फायर करवा दिया।

लगता है अमेरिका ने तात्कालिक रूप से सीज़फायर कराकर दुनिया के सामने अपनी पीठ थपथपाने का मौका हासिल कर ही लिया। इस युद्ध से ईरान में सत्ता परिवर्तन तो हो नहीं सका। इसके बजाय आयतुल्ला की लोकप्रियता में इजाफा ही हुआ। साथ ही मिडिल ईस्ट के देशों के मध्य रिश्तों की कड़वाहट और बढ़ गई है। पूरा का पूरा इस्लामिक गठजोड़ हिल गया, खासतौर से ईरान के पक्ष में लामबंदी करने को लेकर। आख़िरकार कतर ने भी जवाबी कार्रवाई की धमकी ईरान को दे ही डाली थी। साथ ही यूएस के जहाजों ने सऊदी अरब के एयरबेस का इस्तेमाल किया, जो ज़ाहिर है कि ईरान इससे खुश नहीं होगा। एक और बात स्पष्ट हुई कि मिडिल ईस्ट के सारे अमेरिका के सैन्य ठिकाने ईरान की ज़द में हैं और ईरान या उसकी प्रॉक्सी कभी भी इन पर हमला कर सकती हैं। तभी तो आयतुल्ला खुमैनी ने अपनी एक पोस्ट में फिलिस्तीनियों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बता रहे हैं। यानी हमास के साथ ही हिजबुल्लाह की सहायता में कोई कमी नहीं आएगी। साथ ही हूती को मदद करके सऊदी अरब को हलकान करते रहेंगे। इन सबके तो यही मायने निकाले जा सकते हैं कि मिडिल ईस्ट में अशांति का दौर कम नहीं होने वाला है। ऐसी स्थिति का एक कारण यह भी है कि दरअसल वैश्विक मंच पर वे सारी संस्थाएं, जिनके माथे विश्व व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारियां हैं, वे भी अपनी जिम्मेदारियां उचित ढंग से नहीं निभा पाती हैं या यूँ कह लीजिए कि उनकी हनक सिर्फ कमजोर या कम शक्तिशाली देशों पर चलती है। मनुष्यों का भी इतिहास यही है कि जो सबल है, उसका ही इतिहास लिखा जाता है।

युद्ध के मामले में अब तो सैन्य प्रौद्योगिकी के समुचित विकास के साथ-साथ अन्य सभी तकनीकों और आर्थिकी पर महारत अगर नहीं हासिल होगा, तो आप निरीह बने रहेंगे। आपकी समृद्धता सिर्फ इस बात से नहीं आंकी जाएगी कि आप कितनी समृद्धशाली संस्कृति के वाहक हैं या आप कितने धार्मिक, कट्टरवादी और जुझारू हैं।

जीवन मंत्र | राहुल सांकृत्यायन

शांति ही मानवता का लक्ष्य है शांति से ही हम एक बेहतर दुनिया बना सकते हैं

जब हम अपने भीतर की अशांति को शांत करते हैं, तभी हम दूसरों के लिए भी शांति का संदेश बन सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम खुद से शुरुआत करें अपने विचारों, अपनी भाषा और अपने व्यवहार में शांति को अपनाएँ।

शांति चाहे वह आंतरिक हो या सामाजिक वह आधार है जिस पर मानवता की प्रगति टिकी हुई है। जब कोई समाज या व्यक्ति शांति में होता है, तो उसकी सोच रचनात्मक होती है, उसका दृष्टिकोण सकारात्मक होता है, और वह दूसरों के साथ सहयोग करने के लिए तैयार होता है। बिना शांति के न तो शिक्षा फलती है, न विज्ञान, न कला, न ही मानव मूल्यों का विकास संभव है। इतिहास में जब-जब हिंसा, युद्ध, लालच और घृणा ने सिर उठाया, तब-तब सभ्यताओं का विनाश हुआ, संस्कृतियाँ मिट गईं, और लाखों निर्दोष जीवन संकट में आ गए। दूसरी ओर, जब भी समाजों ने शांति को अपनाया – चाहे वो महात्मा गांधी का अहिंसा मार्ग हो या नेल्सन मंडेला का क्षमा और पुनर्निर्माण का संदेश – वहाँ विकास, भाईचारा और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हुआ। शांति किसी एक धर्म, जाति या विचारधारा

का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा मूल्य है। एक शांत समाज वह होता है जहाँ विचारों की विविधता को स्वीकार किया जाता है, जहाँ संवाद होता है, टकराव नहीं। जब हम अपने भीतर की अशांति को शांत करते हैं, तभी हम दूसरों के लिए भी शांति का संदेश बन सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि हम खुद से शुरुआत करें अपने विचारों, अपनी भाषा और अपने व्यवहार में शांति को अपनाएँ। क्योंकि हर छोटी सी कोशिश, हर छोटा सा संवाद भी इस दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है। अंततः, अगर हम एक बेहतर दुनिया की कल्पना करते हैं जहाँ बच्चे सुरक्षित हों, बुजुर्ग सम्मानित हों, और हर व्यक्ति को गरिमा से जीने का अधिकार मिले तो उसकी नींव शांति से ही रखी जा सकती है। तकनीक, शक्ति या संसाधन उस दुनिया को नहीं बना सकते, जो प्यार, सहयोग और समझ पर आधारित हो। ऐसी दुनिया तभी संभव है, जब हम यह समझें कि शांति कोई विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ज़रूरत है।

शख्सियत | ई।आर। ब्रेथवेट

ब्रिटिश-अमेरिकी उपन्यासकार, लेखक, शिक्षक और राजनयिक

यूस्टेस एडवर्ड रिकार्डो ब्रेथवेट (27 जून, 1912 – 12 दिसंबर, 2016), ई। आर। ब्रेथवेट के नाम से प्रकाशित, गुयाना में जन्मे एक ब्रिटिश-अमेरिकी उपन्यासकार, लेखक, शिक्षक और राजनयिक थे, जो सामाजिक परिस्थितियों और अश्वेतों के विरुद्ध नस्लीय भेदभाव पर आधारित कहानियों के लिए प्रसिद्ध हैं। वे 1959 के आत्मकथात्मक उपन्यास टू सर, विद लव के लेखक थे, जिस पर 1967 में इसी शीर्षक से एक ब्रिटिश ड्रामा फिल्म बनाई गई थी, जिसमें सिडनी पोइटियर और लुलु ने अभिनय किया था।

ब्रेथवेट का जन्म 27 जून, 1912 को जॉर्जटाउन, गुयाना में हुआ था (हालांकि कुछ स्रोत 1920 बताते हैं)। उनके माता-पिता दोनों ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्र थे और उन्होंने शिक्षा, उपलब्धियों तथा अपने माता-पिता के गर्व से भरे वातावरण में पालन-पोषण का अनुभव किया। उनके पिता एक सोने और हीरे की खान में कार्यरत थे, जबकि उनकी मां एक गृहिणी थीं। उन्होंने सेंट एम्ब्रोस प्राइमरी स्कूल, क्वींस कॉलेज (गुयाना), और फिर सिटी कॉलेज ऑफ न्यूयॉर्क (1940) में शिक्षा प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वे रॉयल एयर फोर्स में एक पायलट के रूप में शामिल हुए। बाद में उन्होंने अपने उपन्यास टू सर, विद लव में इस अनुभव का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी त्वचा के रंग या जातीयता के कारण कोई भेदभाव महसूस नहीं हुआ था। 1949 में उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के गोनविल और कैयस कॉलेज से भौतिकी में मास्टर डिग्री प्राप्त की। युद्ध के बाद, व्यापक प्रशिक्षण के बावजूद, ब्रेथवेट को अपने क्षेत्र में नौकरी नहीं मिल सकी। निराश होकर, उन्होंने अनिच्छा से लंदन के ईस्ट एंड स्थित वेपिंग क्षेत्र के सेंट जॉर्ज-इन-द-ईस्ट सेंट्रल स्कूल (अब मलबेरी हाउस अपार्टमेंट) में शिक्षक की नौकरी स्वीकार कर ली। उनका उपन्यास टू सर, विद लव (1959) इसी अनुभव पर आधारित था। इस पुस्तक को एनीसफील्ड-वुल्फ बुक पुरस्कार मिला। इस पर आधारित फिल्म टू सर, विद लव (1967) को सिडनी पोइटियर द्वारा अभिनीत किया गया, जो बॉक्स-ऑफिस पर सफल रही। हालांकि, ब्रेथवेट और कई आलोचकों ने इसे अत्यधिक भावुक बताया। 2007 में बीबीसी रेडियो 4 के कार्यक्रम टू सर, विद लव रिविजिटेड में उन्होंने कहाः "मैं अपने दिल की गहराइयों से इस फिल्म से नफरत करता हूँ।" जब वे स्कूल पर आधारित अपनी पुस्तक लिख रहे थे, उस समय ब्रेथवेट सामाजिक कार्य में भी लगे हुए थे। लंदन काउंटी काउंसिल के लिए उन्होंने गैर-श्वेत बच्चों के लिए पालक घरों की व्यवस्था का कार्य किया। इस अनुभव के आधार पर उन्होंने पेड सर्वेंटः ए रिपोर्ट अबाउट वेलफेयर वर्क इन लंदन (1962) नामक पुस्तक लिखी।

ब्रेथवेट ने यूनेस्को के लिए शैक्षिक सलाहकार और व्याख्याता के रूप में कार्य किया और साथ ही उपन्यास तथा लघुकथाएँ लिखना जारी रखा। वे 1967 से 1969 तक संयुक्त राष्ट्र में गुयाना के पहले स्थायी प्रतिनिधि रहे। 1968 में उन्हें दक्षिण पश्चिम अफ्रीका के लिए संयुक्त राष्ट्र परिषद का अध्यक्ष चुना गया। 2005–06 में वे मैनचेस्टर कम्युनिटी कॉलेज (कनेक्टिकट) में विजिटिंग प्रोफेसर रहे और उस वर्ष के प्रारंभिक वक्ता भी बने, जहाँ उन्हें मानद उपाधि भी प्रदान की गई। इसका निर्देशन मार्क बेबीच ने किया और इसमें अनसु काबिया व मैथ्यू केली ने प्रमुख भूमिकाएँ निभाईं। यह इस पुस्तक का पहला रंगमंचीय रूपांतरण था। ब्रेथवेट ने 1944 में इंग्लैंड में सिबिल एलन से विवाह किया। 1950 के दशक में तलाक से पहले इस दंपती के पाँच बच्चे हुए।

जीवन ऊर्जा | अनीता डायमंट : जन्म- 27 जून, 1951 | जन्म

जीवन के सभी सुखों में से केवल प्रेम ही है जो मृत्यु का ऋणी नहीं है

अनीता डायमंट (जन्म 27 जून, 1951) फिक्शन और नॉन-फिक्शन किताबों की एक अमेरिकी लेखिका हैं। उन्होंने पांच उपन्यास प्रकाशित किए हैं, जिनमें से सबसे हालिया द बोस्टन गर्ल है, जो न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्ट सेलर है। वह अपने 1997 के उपन्यास द रेड टेंट के लिए प्रसिद्ध हैं, जो अंततः एक बेस्ट सेलर और बुक क्लब पसंदीदा बन गया।

यह वाक्य जीवन और मृत्यु के पारस्परिक संबंधों, और प्रेम की अमरता को बहुत ही गहराई से अभिव्यक्त करता है। जीवन में हमें अनेक प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं धन, सम्मान, यश, ऐश्वर्य, स्वास्थ्य, विद्या, शक्ति और संबंध परंतु ये सभी सुख मृत्यु के क्षण में या तो समाप्त हो जाते हैं या पीछे छूट जाते हैं। मृत्यु इन सबका स्वाभाविक अंत है, क्योंकि वे भौतिक या सांसारिक सीमाओं में बंधे हैं। लेकिन प्रेम एक ऐसा भाव है जो इन सीमाओं से परे जाता है। यह आत्मा से आत्मा का संबंध है, जो शरीर के नष्ट हो जाने के

बाद भी कहीं न कहीं स्मृति, अनुभूति या भावना के रूप में जीवित रहता है। प्रेम एक ऐसा अनुभव है जो केवल भौतिक नहीं बल्कि आध्यात्मिक भी होता है। एक माता अपने दिवंगत बच्चे को वर्षों तक उसी आत्मीयता से याद करती है, जैसे वह जीवित हो। एक प्रिय की मृत्यु के बाद भी उसका प्रेम जीवित रहता है उसके पत्र, उसकी वस्तुएं, उसकी यादें मन को वैसे ही आंदोलित करती हैं जैसे वह सजीव हो। प्रेम एक ऐसा भाव है जो समय और मृत्यु की सीमाओं को पार कर जाता है। यही कारण है कि प्रेम को 'अमर' कहा जाता है। वह भले ही किसी शारीरिक अस्तित्व से जुड़ा हो, लेकिन उसकी गहराई आत्मा में उतरती है और आत्मा की यात्रा शरीर की मृत्यु से समाप्त नहीं होती। मृत्यु जीवन का अंतिम सत्य है, पर प्रेम उस अंतिम सत्य को चुनौती देता प्रतीत होता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

रामायण के युग में ड्रोन, रडार और मिसाइल की अवधारणा

एयर डिफेंस सिस्टम भगवान राम के समय में भी थे। रावण ने भी यह सिस्टम एक्टिवेट किए हुए थे, और जिसका वर्णन श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास जी ने किया है।साथ ही, तब रडार से बचकर निकलने की विधा भी उन्नत तरीके से विद्यमान थी, उसका भी वर्णन आपको श्रीरामचरितमानस में देखने को मिल जाता है। सुंदरकांड में इसका वर्णन आता है रावण ने अपना एयर डिफेंस सिस्टम अपनी नेवी समुद्र में फिट कर रखा था।

जैसे यह चौपाईः

निसिचरि एक सिंधु महुँ रहई।
करि माया नभ के खग गहई।।

वह सिंहिका उड़ते जीवों की पानी पर पड़ती परछाई से उन्हें पकड़कर नष्ट कर डालती थी।

तो तनिक विचार कीजिए कि जो जल के रास्ते लंका में प्रवेश करने की कोशिश करता होगा, उसको कैसे छोड़ती होगी? अतिरिक्त सुरक्षा के लिए लंका और समुद्र के बीच थल सेना में भी सिस्टम था नाम था लंकिनी। यह डिफेंस सिस्टम इतना एक्यूरेट था कि हवा का भी प्रवेश नहीं था, मच्छर तक को डिटेक्ट कर लेती थी। उसे भी हनुमान जी ने उससे अधिक उत्तम और उन्नत टेक्नोलॉजी से ध्वस्त कर दिया था। तब लंकिनी ने ही सर्वप्रथम रावण के पराजय के संकेत दिए थे कि

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक.
मो.. नं. 9425980556

विकल होई जब कपि के मारे, तब जानेसु निशिचर संहारे।।

उसे ब्रह्माजी ने वर दिया था कि जब तेरा यह डिफेंस सिस्टम समाप्त हो जाएगा, तो समझना कि लंका का और रावण का पराभव निकट है। तब सबसे उन्नत तकनीक हनुमान जी के पास विद्यमान थी। हनुमान जी ने ड्रोन, मिसाइल,मैसेंजर, डोज़ियर सबके रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर 'ज्ञानीनामग्रगण्यंनाम'को सार्थक किया था।

हनुमान जी ने ऑल इन वन बनकर रावण के सारे सिस्टम ध्वस्त कर दिए थे। लंका के एयर डिफेंस सिस्टम से कई गुना उन्नत अयोध्या का सिस्टम था। अयोध्या का स्काई डिफेंस अधिक एक्टिव था तभी तो संजीवनी लाते हनुमान को भरत जी के आयुध ने रोक लिया था।

यहाँ पर एक बात गौर करने लायक है कि उस समय के साधारण से धनुष, बाण आदि हथियार इतने माइक्रो लेवल के थे कि उन्हें स्वयं ही धारण कर युद्ध के मैदान में उतरा जा सकता था। दिखावे के ये आयुध, अस्त्र-शस्त्र साधारण थे, मगर इनकी मारक क्षमता सदैव सक्रिय रहती थी।

भारत के उन्नत ज्ञान और तकनीक पर हमें गर्व करना चाहिए।

अपने विचार

मेरी इंग्लिश उतनी अच्छी नहीं है, इसलिए शशि थरूर को CWC सदस्य बनाया। हम देश को पहले रखते है और कुछ लोग खुद को पहले और देश को पीछे रखते हैं।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष,कांग्रेस

लालू के परिवार के ड्रामा का रोज नया किस्सा बाहर आ रहा है। पहले परिवार और पार्टी से तेज प्रताप को निकाल दिया, अब तेज प्रताप अखिलेश यादव से चर्चा कर रहे हैं। चुनाव कहां से और किस पार्टी से लड़ेंगे, अभी पता नहीं है।

-अभिषेक झा, नेता,जेडीयू

तेज प्रताप और तेजस्वी की लड़ाई में आरजेडी पंचर हो रही है। एक भाई मुख्यमंत्री बनना चाहता है और दूसरा भाई ऊंची-ऊंची उड़ान भरना चाहता है। किसी भाई का भी सपना पूरा नहीं होने वाला है।

-नीरज कुमार, नेता,भाजपा

जिन लोगों ने व्यासपीठ पर विराजमान आचार्य का अपमान किया है उनके खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई की जा रही है। परंतु 1990 में श्रीराम का नाम लिया तो सपा सरकार ने रामभक्तों पर गोलियाँ चलवाईं। कांवड़ यात्रा में शिवभक्तों के भजन-कीर्तन तक रोक दिए गए थे।

-केशव प्रसाद मौर्या, डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं। 2, के। के। चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail।com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

वारी श्रद्धालुओं के लिए उधना और मिरज के बीच चलेंगी 4 अतिरिक्त ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

पंढरपुर में आगामी आषाढ़ी वारी मेले 2025 के अवसर पर तीर्थयात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मध्य रेल के सोलापुर मंडल द्वारा उधना और मिरज के बीच चार अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे पहले रेलवे द्वारा सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों के माध्यम से 80 आषाढ़ी विशेष ट्रेनों की घोषणा की जा चुकी है। अब इन अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन से गुजरात से महाराष्ट्र के पंढरपुर तक यात्रियों को और अधिक सुविधा मिलेगी।

उधना-मिरज स्पेशल

ट्रेन संख्या 09079 विशेष 4 जुलाई 2025 को सुबह 11:25 बजे उधना से रवाना होकर 5 जुलाई को सुबह 6:00 बजे मिरज पहुंचेगी। यह ट्रेन पंढरपुर स्टेशन पर सुबह 3:50 बजे पहुंचेगी और 4:00 बजे रवाना होगी। इसके प्रत्युत्तर में ट्रेन संख्या 09080 विशेष 5 जुलाई 2025 को सुबह 9:10 बजे मिरज से रवाना होकर 6 जुलाई को सुबह 4:00 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन पंढरपुर में 11:50 बजे पहुंचेगी और 12:25 बजे रवाना होगी। इन दोनों ट्रेनों की संरचना में 4 स्लीपर और 13 जनरल कोच सहित 18 कोच होंगे। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09081 विशेष 5 जुलाई 2025 को 11:25 बजे उधना से रवाना होगी और 6 जुलाई को 6:00 बजे मिरज पहुंचेगी। यह ट्रेन भी पंढरपुर में 3:50 बजे सुबह पहुंचेगी और 4:00 बजे रवाना होगी। वहीं, ट्रेन संख्या 09082 विशेष 6 जुलाई 2025 को 9:10 बजे मिरज से रवाना होगी और 7 जुलाई को सुबह 4:00 बजे उधना पहुंचेगी। यह पंढरपुर में 11:50 बजे पहुंचेगी और 12:25 बजे रवाना होगी। इन ट्रेनों में 6 स्लीपर और 14 जनरल कोच के साथ 20 कोच शामिल होंगे।

ट्रेनों का ठहराव

इन सभी विशेष ट्रेनों का ठहराव बारदोली, व्यारा, नंदुरबार, दोंडाईचा, अमलनेर, धरनगांव, जलगांव, चालीसगांव, मनमाड, कोपरगांव, अहमदनगर, दौंड, कुर्डूवाडी और पंढरपुर स्टेशनों पर होगा। इससे गुजरात और महाराष्ट्र के यात्रियों को सीधे पंढरपुर यात्रा करने में विशेष सुविधा मिलेगी।

3 वन-वे आषाढ़ी विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा मध्य रेल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पंढरपुर में 1 जुलाई से 10 जुलाई 2025 तक आयोजित आषाढ़ी वारी मेले में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए मध्य रेलवे तीन एकमुश्त विशेष ट्रेन सेवाएं शुरू कर रहा है। ये ट्रेनें पुणे से मिरज, मिरज से नागपुर और मिरज से लातूर के बीच चलाई जाएंगी। इस पहल के साथ मध्य रेल अब तक कुल 83 आषाढ़ी विशेष ट्रेन सेवाएं चला चुका है, जिससे बड़ी संख्या में यात्रियों को लाभ मिल रहा है।

पुणे-मिरज वन-वे विशेष

पहली सेवा पुणे-मिरज वन-वे विशेष ट्रेन (01413) है, जो 8 जुलाई 2025 को सुबह 7 बजे पुणे से रवाना होकर दोपहर 12.30 बजे मिरज पहुंचेगी। यह ट्रेन लोनंद, सातारा, कराड, किर्लोस्करवाड़ी और सांगली स्टेशनों पर रुकेगी। इसमें वातानुकूलित, शयनयान, सामान्य द्वितीय श्रेणी और सेकंड सीटिंग कोच की व्यवस्था रहेगी।

मिरज-नागपुर वन-वे विशेष

दूसरी ट्रेन मिरज-नागपुर वन-वे विशेष (01213) 8 जुलाई 2025 को दोपहर 12.55 बजे मिरज से प्रस्थान करेगी और 9 जुलाई को दोपहर 12.25 बजे नागपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन 25 से अधिक स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें पंढरपुर, कुर्दुवाड़ी, अहमदनगर, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा और अजनी जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

मिरज-लातूर अनारक्षित वन-वे विशेष

तीसरी सेवा मिरज-लातूर अनारक्षित वन-वे विशेष (01409) 6 जुलाई 2025 को सुबह 9.30 बजे मिरज से रवाना होकर उसी दिन शाम 7.20 बजे लातूर पहुंचेगी। यह ट्रेन अरग, सांगोला, पंढरपुर, बारसी टाउन, धाराशिव, मुरुड, औसा रोड समेत 18 स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी के 12 कोच, सेकंड सीटिंग और लगेज ब्रेक वैन शामिल रहेंगे।

ब्रीफ न्यूज़

दादर-भुसावल विशेष ट्रेनों का विस्तार

मुंबई। रेलवे ने यात्रियों की लगातार बढ़ती मांग और त्योहारी/मॉनसून सीजन की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए दादर (पश्चिम रेलवे)-भुसावल मार्ग पर चलने वाली विशेष ट्रेनों की सेवाएं बढ़ाने का निर्णय लिया है। कुल 104 अतिरिक्त ट्रिप संचालित की जाएंगी ताकि यात्रियों को यात्रा में अधिक सुविधा और विकल्प मिल सके। दादर-भुसावल त्रि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन (09051/09052), जो अब तक 30 जून 2025 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, उसे अब 2 जुलाई से 29 सितंबर 2025 तक बढ़ा दिया गया है। यह ट्रेन हर सोमवार, बुधवार और शनिवार को चलेगी, जिससे कुल 78 अतिरिक्त ट्रिप शामिल होंगी। इसी प्रकार, दादर-भुसावल साप्ताहिक विशेष ट्रेन (09049/09050), जो हर शुक्रवार को चलती थी और 27 जून 2025 तक सीमित थी, अब 4 जुलाई से 26 सितंबर 2025 तक चलेगी। इस विस्तार से यात्रियों को कुल 26 अतिरिक्त ट्रिप का लाभ मिलेगा। रेलवे यात्रियों से अपील करता है कि वे टिकट बुकिंग के लिए अधिकृत माध्यमों का ही उपयोग करें।

भिवंडी के प्रथम यूपीएससी सफल अभ्यर्थी सैयद आरिफ मोइन का सत्कार

भिवंडी : भिवंडी के पहले यूपीएससी सफल अभ्यर्थी सैयद आरिफ मोइन के सम्मान में 24 जून 2025 को मोमिन जमात खाना, समद नगर में मोमिन वेलफेयर सोसायटी द्वारा एक भव्य सत्कार समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध उद्योगपति फैय्याजुद्दीन निजामुद्दीन मुल्ला (एफटी) ने की, जिन्होंने आरिफ और उनके परिवार को बधाई देते हुए विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। मोमिन वेलफेयर सोसायटी के सचिव सुबहान सिकंदर अंसारी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी साझा की, जबकि मुंबई के शैक्षणिक व सामाजिक कार्यकर्ता सलीम अलवारे ने भिवंडी में 25 वर्ष पहले शुरू किए गए यूपीएससी मार्गदर्शन कार्यक्रम की चर्चा करते हुए आरिफ की सफलता को उस प्रयास का फल बताया। उन्होंने भिवंडी की धरती को शैक्षिक रूप से उपजाऊ बताया और प्रतिभाओं को पोषित करने की अपील की।

छत्रपति शिवाजी महाराज चौक नवीनीकरण का भूमि पूजन संपन्न

- नए स्वरूप में स्थापित होगी अश्वारोही प्रतिमा
- 6 करोड़ की लागत से होगा सौंदर्यीकरण

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर के ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज चौक के नवीनीकरण कार्य का भूमि पूजन समारोह बुधवार को भव्य रूप में संपन्न हुआ। इस अवसर पर भाजपा विधायक महेश चौघुले ने विधिवत भूमिपूजन किया। समारोह में शिवसेना शहर अध्यक्ष सुभाष माने, भाजपा शहर अध्यक्ष रवि सावंत, और शहर के सैकड़ों शिवप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे।

38 साल पुरानी प्रतिमा होगी पुनर्स्थापित

गौरतलब है कि नजराना सर्कल स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की 38 वर्ष पुरानी अश्वारोही प्रतिमा अब जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। लंबे समय से नागरिकों द्वारा नई प्रतिमा स्थापित करने और चौक के सौंदर्यीकरण की मांग की जा रही थी। राज्य सरकार ने इसके लिए 6 करोड़ की निधि स्वीकृत की है।

नई प्रतिमा और चौक का होगा भव्य विकास

प्रोजेक्ट के अंतर्गत चौक में नई अश्वारोही प्रतिमा स्थापित की जाएगी और उसका चारों ओर से आधुनिक स्वरूप में सौंदर्यीकरण किया जाएगा। अगले छह महीनों में यह काम पूरा करने का लक्ष्य है। चौक के सौंदर्यीकरण से यह स्थान एक प्रेरणादायी स्मारक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा।

'मिशन सहयोग' का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, भुसावल में "मिशन सहयोग" नामक एक विशेष पहल के अंतर्गत गुरुवार को एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों, विशेषकर महिला कर्मचारियों को सशक्त बनाने, मार्गदर्शन प्रदान करने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से किया गया।

महिला कर्मचारियों से संवाद कर साझा किए संतुलन के उपाय

मंडल रेल प्रबंधक इति पाण्डेय ने कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों से संवाद करते हुए विशेष रूप से उन महिला कर्मचारियों की समस्याओं पर चर्चा की, जिन्हें छोटे बच्चों की देखभाल के साथ रेलवे की जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होता है। उन्होंने कार्यस्थल और पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाए रखने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए और यह भी सुनिश्चित किया कि सभी कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण और सहयोग मिल रहा है या नहीं। इति पाण्डेय ने कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों और अधिकारियों के बीच समन्वय को आवश्यक बताया और कार्यस्थल पर संरक्षा, समयपालन एवं जिम्मेदारी से कार्य करने की संस्कृति को बढ़ावा देने की बात कही।

वरिष्ठ अधिकारियों ने बढ़ाया मनोबल, दिए सुझाव

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासन) सुनिल कुमार सुमन एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) मुकेश कुमार मीना सहित अन्य वरिष्ठ शाखा अधिकारी भी उपस्थित रहे। उन्होंने कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया और कार्य कुशलता बढ़ाने हेतु कई उपयोगी सुझाव दिए।

साइबर सुरक्षा और सौर ऊर्जा क्षेत्र में सक्रियता जरूरी: चव्हाण

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी (महापारेषण) के महाराष्ट्र राज्य लोड डिस्पैच सेंटर की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर निदेशक (संचालन) सतीश चव्हाण ने ऊर्जा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए साइबर सुरक्षा और सौर ऊर्जा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। यह आयोजन ऐरोली स्थित मेहता कॉलेज सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें पुरस्कार वितरण समारोह भी शामिल था। इस अवसर पर महापारेषण के निदेशक (परियोजना) अविनाश निंबालकर, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) सुचिता भीकने, कार्यकारी निदेशक (राज्य लोड डिस्पैच सेंटर) शशांक जेवलीकर और मुख्य अभियंता गिरीश पंतोजी भी उपस्थित थे।

लोड डिस्पैच सेंटर को बनाना होगा तकनीकी रूप से और सक्षम

चव्हाण ने कहा कि लोड डिस्पैच सेंटर अब सिर्फ रुआउटेज मैनेजमेंटर और लोड बैलेंसिंग तक सीमित नहीं रह सकता। आने वाले समय में साइबर अटैक और नवीकरणीय ऊर्जा को लेकर जो चुनौतियां सामने आएंगी, उसके लिए यह यूनिट पहले से तैयार रहनी चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि लोड डिस्पैच सेंटर की टीम इन जिम्मेदारियों को बखूबी निभा सकेगी।

ईटीसी दिव्यांग शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

- 277 बच्चों की स्वास्थ्य जांच

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

ईटीसी दिव्यांग शिक्षा प्रशिक्षण केंद्र, नवी मुंबई में मानसिक रूप से मंद, बधिर, ऑटिस्टिक, दृष्टिबाधित, सीखने में अक्षम और बहु-दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में बच्चों के स्वास्थ्य की व्यापक जांच करना था।

शिविर में कुल 277 बच्चों की हुई जांच

मूक-बधिर विभाग : 114 बच्चे
मानसिक मंदित विभाग : 108 बच्चे
बहु-विकलांग विभाग : 11 बच्चे
नेत्रहीन विभाग : 19 बच्चे
ओपीडी विभाग : 25 बच्चे

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने की जांच

इस विशेष शिविर में डॉ. अशोक चव्हाण, डॉ. सुष्मिता वताकर, डॉ. रंजीत शिर्के, डॉ. भाग्यश्री भोकरे, डॉ. तेजस्विनी जाधव, डॉ. प्रतिभा मुंडे, डॉ. विजय पाटिल और डॉ. निखिल केसरे सहित अन्य विशेषज्ञों की टीम ने बच्चों की मौसमजनित बीमारियों और दैनिक स्वास्थ्य स्थितियों की जांच की। जरूरतमंद बच्चों को आगे के इलाज और परामर्श के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया।

रविवार को पश्चिम रेलवे पर दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने शुक्रवार और शनिवार की मध्यरात्रि 27/28 जून, 2025 को वसई रोड और वैतरणा स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर तीन घंटे का रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक निर्धारित किया है। यह ब्लॉक रेलपथ, सिगनलिंग और ओवरहेड उपकरणों के रखरखाव कार्य हेतु लिया जाएगा। अप फास्ट लाइन पर यह ब्लॉक रात 11:50 से 2:50 बजे तक रहेगा, जबकि डाउन फास्ट लाइन पर ब्लॉक रात 1:30 से 4:30 बजे तक रहेगा। इस दौरान ट्रेन संख्या 19101 विरार-भरूच मेमू 15 मिनट विलंब से चलेगी और विरार से 4:35 बजे के स्थान पर 4:50 बजे रवाना होगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार, 29 जून, 2025 को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं लिया जाएगा, जिससे यात्रियों को उस दिन निर्बाध यात्रा की सुविधा मिलेगी।

जियो पारसी योजना के लाभार्थियों के लिए मुंबई में चला बायोमेट्रिक अभियान

मुंबई। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने गुरुवार को जियो पारसी योजना के लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण अभियान का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य पारसी समुदाय को सशक्त बनाना और उनकी घटती जनसंख्या को रोकने के लिए चलाई जा रही योजना को पारदर्शी और प्रभावी बनाना है।

148 में से 100 लाभार्थियों ने कराया बायोमेट्रिक

मुंबई में पंजीकृत 148 लाभार्थियों में से करीब 100 लाभार्थियों ने इस बायोमेट्रिक अभियान में भाग लिया और अपना अनिवार्य वार्षिक प्रमाणीकरण पूरा किया। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के उप महानिदेशक आलोक कुमार वर्मा, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, बॉम्बे पारसी पंचायत और महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

चिकित्सा सहायता : आईवीएफ, आईसीएसआई, सरोगेसी और गर्भधारण के बाद की देखभाल जैसी बांझपन उपचार सेवाओं के लिए आर्थिक सहायता।

राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की मनाई गई जयंती

डोंबिवली। राजर्षि छत्रपती शाहू महाराज की जयंती के अवसर पर महापालिका मुख्यालय में महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पण किया। इस कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उपआयुक्त संजय जाधव, शिक्षा अधिकारी विजय सरकटे, जनसंपर्क अधिकारी माधवी पोफळे, आपदा प्रबंधन विभाग के सहायक आयुक्त चंद्रकांत जगताप, सुरक्षा अधिकारी भरत बुळे समेत महापालिका के अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता की और प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृष शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है।

सिंह पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बैचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

मकर राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है।

कुंभ आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें।

"छठे भाव से व्यापार में भाग्य कैसे जगाएँ – ज्योतिषीय रहस्य"

भाग 2

छठे भाव में चन्द्र का फल :

चन्द्रमा मन का प्रबल कारण होकर पानी दूध आदि तरल पदार्थों का प्रतिनिधित्व करता है । अतः छठे भाव में चन्द्रमा होने पर अपने व्यापार को किसी न किसी विधि द्वारा तरल पदार्थों से जोडने का प्रयास करेंगे तो शीघ्र ही आपके साथ व्यापार की भी भाग्योन्नति होगी । मन चंचल होने से चलता- फिरता बिजनेस या फिल्ड वर्क का जॉब लाभकारी रहेगा ।

छठे भाव में मंगल का फल :

मंगल शत्रु पक्ष का प्रबल कारक होकर तकनीकी व क्षेत्र के साथ अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है । अतः छठे भाव में मंगल के कारण व्यापार को बार- बार शत्रुओं की पीडा सहनी पड़ती है या शत्रु पक्ष से हानि होती है । साथ ही विरोधियों का सामना करने के कारण व्यापार को आगे बढाने में अत्यधिक श्रम साध्य कार्य करना पडता है । यहाँ हम टैक्निकल फिल्ड से टच करके अपने व्यापार का भाग्य जगा सकते है ।

छठे भाव में बुध का फल :

बुध कला विशेष का प्रबल कारक होकर मित्रों व सहयोगियों का प्रतिनिधित्व करता है। अतः छठे भाव में बुध के होने पर व्यापार को कला विशेष जैसे फेंसी गुडस आदि से जोडने पर अथवा कलात्मक वस्तुओं से सुसज्जित करने पर लाभ प्राप्त होता है। दूसरा व्यापार में मित्रों व अधिनस्थ कर्मचारियों को अधिक महत्त्व देने पर भी व्यापार का भाग्योदय होता है ।

प्रियंका जैन
9769994439

छठे भाव में गुरु का फल :

गुरु धर्म कर्म व शिक्षा का प्रबल कारक ग्रह है । अतः जब भी छठे भाव में गुरु हो तो व्यापार को किसी धर्म सम्प्रदाय या धार्मिक स्थल अथवा कर्मकांड से संबंधित रखें अथवा शिक्षा के क्षेत्र से जोडें तो शीघ्र ही आपका व्यापार भाग्योन्नति की ओर चल पडेगा ।

छठे भाव में शुक्र का फल :

शुक्र स्त्री जाति व सौंदर्य का प्रबल कारक ग्रह है । अतः छठे भाव में शुक्र के होने पर व्यापार में स्त्री जाति व सुन्दरता या सौंदर्य कारक वस्तुओं को प्रधानता दें, और फिर देखें आपके व्यवसाय का भाग्य कैसे अचानक करवट लेता है ।

छठे भाव में शनि का फल :

शनि शुद्ध (नीच) जाति व जनता का प्रबल कारक है । अतः छठे भाव में शनि के होने पर अपने व्यापार को जनता के कार्यो से जोडे. रखें । व्यापार में नीच कर्म अथवा शुद्ध जाति को महत्त्व देने पर व्यापार का भाग्य पलट जायेगा ।

छठे भाव में राहु /केतु का फल :

सारे आकस्मिक घटनाक्रमों व उतार- चढाव का प्रबल कारक राहु/केतु को माना गया है । छठे भाव में राहु/केतु के होने पर व्यापार को भारी उतार- चढाव का सामना करना पड़ता है । अथवा व्यापार में कभी भी स्थिरता नहीं रहती है । ऐसी स्थिति में व्यापार से लाभ प्राप्ति के लिए व्यापार को फिल्ड वर्क से जोड दें अथवा एक स्थायी व्यापार के साथ- साथ छोटे दर्जे के अन्य व्यापार भी करते रहें और उन्हें बार- बार बदलते रहें ।

कैसे जगायें व्यापार का भाग्य:

स्वयं के भाग्य के साथ- साथ व्यापार का भाग्य जगाने के लिये हमें अपने भाग्य भाव के स्वामी की उपासना के साथ व्यापार के भाग्य स्थान व पंचम भाव अर्थात (लग्न से द्वितीय व षष्ठ भाव) के रुद्राक्ष को एक साथ पेण्डल के रूप में धारण करना चाहिये । इससे स्वयं के भाग्य के साथ- साथ व्यापार में भाग्योन्नति होगी और असीमित लाभ के अवसरों की प्राप्ति भी होगी ।

न्यूज़ ब्रीफ

पलामू में 108 करोड़ की लोग गटक गए दारू

पलामू: देश के पिछड़े और नक्सल प्रभावित इलाका पलामू माना जाता है। लेकिन पलामू जैसे इलाकों में शराब की खपत चौंकाने वाली है। 2024- 25 में पलामू के इलाके में 108 करोड़ रुपए की शराब की खपत हुई है। वहीं, पलामू के इलाके में वन डे शराब पार्टी का भी प्रचलन काफी बढ़ गया है। 2023-24 के बाद से पलामू में वनडे शराब पार्टी का प्रचलन बढ़ा है। इससे पहले वनडे शराब पार्टी के लिए लोग लाइसेंस नहीं लेते थे। पिछले एक वर्ष के दौरान पलामू उत्पाद विभाग के द्वारा एक दर्जन के करीब वनडे शराब पार्टी के लिए लाइसेंस जारी किया गया है। दरअसल, वनडे शराब पार्टी के लिए 10 हजार रुपए में लाइसेंस दिए जाते हैं। लाइसेंस लेने वाले लोगों को यह शपथ देना होता है कि किसी भी तरह की विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। इस दौरान सरकारी शराब की दुकानों से खरीदारी की भी जानकारी मांगी जाती है।

हनीट्रैप में फंसे हिसार के व्यापारी की बिहार में हत्या

जमुई: हरियाणा के हिसार के एक व्यवसायी युवक की हत्या के पीछे 'हनीट्रैप' साजिश का पर्दाफाश हुआ है। सोशल मीडिया के जरिए युवक की एक लड़की से जान-पहचान हुई, जिसने उसे मुंगेर बुलाया। पांच लाख रुपए की लालच में लड़की ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। मामले की जांच के लिए पहुंची हरियाणा पुलिस ने जमुई पुलिस के सहयोग से आरोपी लड़की के भाई को गिरफ्तार कर लिया है।

यूपी में 'ग्रीन गोल्ड' लेकर घर जाएंगे नवजात

लखनऊ: योगी सरकार यूपी को हरा भरा प्रदेश बनाने के लिए बेहतर कदम उठाने जा रही है। एक से सात जुलाई तक जन्म लेने वाले बच्चों को अब ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट के साथ पौधे भी दिए जाएंगे। यह पौधे यूपी के सभी जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी व अन्य सरकारी अस्पताल में जन्मे बच्चों को प्रदान किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वन विभाग यह कार्य करने जा रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि पौधरोपण महाभियान-2025 में जनता की सहभागिता पर सरकार का जोर है। नवजात को उपहार स्वरूप पौधा देना बच्चे के जीवन में समृद्धि व विकास का परिचायक है। इसी के अनुरूप पहली से सात जुलाई (वन महोत्सव) की अवधि में जन्मे नवजात शिशुओं को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट के साथ एक पौधा भेंट के रूप में प्रदान किया जाएगा।

शुक्रवार को 14 जिलों में होगी भारी बारिश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में बीते दो दिनों से मानसून की सक्रियता बड़ी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के पश्चिमी और तराई इलाकों के 14 जिलों में शुक्रवार के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी किया है। साथ ही 55 जिलों में गरज चमक और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।बृहस्पतिवार को लखीमपुर खीरी, सिद्धार्थ नगर, सुल्तानपुर,अमेठी, बाराबंकी, सोनभद्र, गोरखपुर, वाराणसी समेत के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। हालांकि, पूर्वी हिस्से में हो रही छिटपुट बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिली है। सभी को मामसून की अच्छी बारिश का इंतजार है।

झारखंड में डायन प्रथा का दंश

हर तीसरे दिन होती है एक महिला की हत्या!

एजेंसी । खूंटी

झारखंड जो अपनी सांस्कृतिक विविधता और प्रगतिशीलता के लिए जाना जाता है, आज भी कुछ ऐसी सामाजिक कुप्रथाओं की चपेट में है, जो मानवता को शर्मसार करती हैं। इनमें से एक है डायन-शिकार, एक ऐसी अमानवीय प्रथा जो विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में प्रचलित है। यह प्रथा न केवल अंधविश्वासों और रूढ़ियों पर आधारित है, बल्कि यह लैंगिक असमानता, सामाजिक अन्याय और आर्थिक असुरक्षा का भी प्रतीक है।

डायन प्रथा एक गंभीर सामाजिक बुराई

डायन-शिकार की प्रथा भारत के 12 राज्यों में विशेष रूप से प्रचलित है। ये राज्य ज्यादातर कम आय और कम साक्षरता वाले क्षेत्र हैं, जैसे बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात और आंध्र प्रदेश। इनमें से झारखंड इस कुप्रथा का सबसे बड़ा केंद्र है, जहां आदिवासी समुदायों में यह प्रथा गहरी जड़ें जमाए हुए है।

झारखंड में डायन प्रथा की जड़ें

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के आंकड़ों के मुताबिक, 2001 से 2020 तक झारखंड में 590 लोग, जिनमें अधिकांश महिलाएं थीं, डायन होने के कथित आरोप में हत्या का शिकार हुए। सिविल सोसाइटी संगठनों का अनुमान है कि पिछले 20 वर्षों में झारखंड में डायन-शिकार के नाम पर 1,800 से अधिक हत्याएं हुईं। इसका अर्थ है कि औसतन हर तीसरे दिन एक महिला इस कुप्रथा की भेंट चढ़ती है।

खूंटी में डायन-शिकार: चौंकाने वाले आंकड़े

झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (JSLPS) के आंकड़ों के अनुसार, केवल खूंटी जिले में पिछले तीन वर्षों में 650 महिलाएं और 11 पुरुष डायन-शिकार का शिकार बने। इनमें से कुछ ही मामले पुलिस तक पहुंचे। अधिकांश मामलों में संपत्ति विवाद मुख्य कारण रहा। JSLPS ने जागरूकता अभियानों और कानूनी सहायता के जरिए पीड़ितों को न्याय दिलाने की कोशिश की, लेकिन कई मामले अभी भी कोर्ट में विचाराधीन हैं।

सौरभ हत्याकांड

मुस्कान और साहिल पर आरोप तय

पुलिसकर्मी- डॉक्टर सहित कुल 36 गवाहों के दर्ज होंगे बयान

एजेंसी । मेरठ

उत्तर प्रदेश के चर्चित सौरभ हत्याकांड केस का कोर्ट में ट्रायल शुरू हो गया है। मेरठ जिला जज संजीव पांडे की कोर्ट में हत्या आरोपी मुस्कान और साहिल शुक्ला पर आरोप तय होने के बाद उसमें अब गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। सबसे पहले मुकदमें के वादी मृतक के भाई बबलू की गवाही होगी, केस की सुनवाई के लिए कोर्ट ने चार जुलाई की तारीख निर्धारित की है। सौरभ मर्डर केस में कुल 36 गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

कोर्ट ने खारिज की जमानत

बता दें कि मेरठ के इस चर्चित हत्याकांड मामले में मृतक सौरभ की बेवफा पत्नी मुस्कान और प्रेमी साहिल शुक्ला की जमानत सेशन कोर्ट से खारिज हो गई थी। चार्ज फ्रेम की तारीख सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच मुस्कान और साहिल को जिला जज न्यायालय में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने दोनों पर सौरभ की हत्या का आरोप तय किया। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि सौरभ हत्याकांड का न्यायालय में ट्रायल शुरू हो गया है। जिला जज की कोर्ट में यह मुकदमा सुना जाएगा। ताडा ने बताया कि 54 दिनों में ये चार्जशीट दाखिल की गई है।

पुलिस और डॉक्टर भी देंगे गवाही

इसके साथ ही सौरभ की हत्या करने के बाद आरोपी मुस्कान और साहिल शिमला, मनाली, कसौल में ठहरे थे। वहां के होटल संचालकों को भी गवाह बनाया गया है। इतना ही नहीं पोस्टमार्टम करने वाले दो डॉक्टर, ड्रम तोड़कर शव के टुकड़ों को बाहर निकलने वालो स्वास्थ्यकर्मियों सहित करीब 10 पुलिसकर्मियों को भी गवाह बनाया गया है। मामले में पुलिस का प्रयास है कि सभी के कोर्ट में बयान करा दिये जायें।

नौकरी के लिए पिता को ही मृतक बता दिया

पिता ने डीएम के दरबार पहुंचकर रद्द करवा दी बेटे की सरकारी नौकरी

दरभंगा: बिहार के दरभंगा में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जहां सरकारी नौकरी के लोभ में एक बेटे ने अपने पिता के जीवित रहते हुए उनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनवा लिया। वह इस प्रमाण पत्र के आधार पर अनुकंपा पर नौकरी पाना चाहता था, लेकिन मंगलवार को जिला अनुकंपा समिति की बैठक के दौरान यह मामला उजागर हो गया। बैठक में सामने आया कि एक जीवित कर्मचारी को उसके पुत्र ने मृत बताकर सरकारी नौकरी हासिल करने की कोशिश की, लेकिन जब मृत बताए कर्मचारी खुद जिला कार्यालय में उपस्थित हो गए, तो पूरे फर्जीवाड़े की पोल खुल गई।

इस मामले पर संज्ञान लेते हुए नियुक्ति की सिफारिश को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। साथ ही इस फर्जीवाड़े में शामिल सभी व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। विकास कुमार यादव उनकी मां शांति देवी और अन्य पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया गया है।
– कौशल कुमार, जिलाधिकारी, दरभंगा

पिता ने किया बेटे का पर्दाफाश

30 मई को इस सिफारिश को जिला अनुकंपा समिति की ओर से पारित भी कर दिया गया था, लेकिन मंगलवार को हुई समिति की बैठक में सच्चाई सामने तब आई, जब कर्मचारी विष्णु देव यादव ने खुद जीवित अवस्था में उपस्थित होकर समिति के सदस्यों को यह बताया कि उनके नाम से उनके पुत्र ने उनका फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी के लिए आवेदन किया है। इस बात की भनक लगते ही विभाग सहित पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

बेटे और पत्नी पर एफआईआर के आदेश

डीएम ने फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र और अनुकंपा समिति की जांच रिपोर्ट की जांच के भी आदेश दिए हैं। इस फर्जी नियुक्ति में शामिल बेटे विकास कुमार यादव, उसकी मां शांति देवी और सभी दोषी कर्मचारियों के खिलाफ FIR दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

78% बच्चे हुए कुपोषण मुक्त

कुपोषण के खिलाफ 'शिशु शक्ति' की बड़ी सफलता

रांची: प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध झारखंड में कुपोषण एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। राज्य बनने के 24 वर्षों बाद भी झारखंड कुपोषण के जाल से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाया है। सरायकेला खरसावां, खूंटी, पूर्वी सिंहभूम, रांची, गिरिडीह, पश्चिमी सिंहभूम, गोड्डा, दुमका और लोहरदगा जैसे कई जिलों में बच्चों में कुपोषण की दर चिंताजनक स्तर पर है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (NFHS-5) के अनुसार, राज्य में पांच वर्ष से कम उम्र के हर पांच बच्चों में से एक बच्चा दुर्बलता (Wasting) का शिकार है, जबकि अति गंभीर कुपोषण (Severely Wasted) से प्रभावित बच्चों की संख्या करीब 4।2 लाख है।

'शिशु शक्ति' ने बदली तस्वीर

राज्य सरकार ने कुपोषण की इस समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय पोषण संस्थान (NIN), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (BAU), स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-SAM रांची और यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से एक विशेष पोषक रेसिपी 'शिशु शक्ति' विकसित की। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर प्रखंड में अति गंभीर कुपोषित (SAM) बच्चों को यह पोषाहार दिया गया। रांची के रिम्स (RIMS) के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने इसकी प्रभावशीलता पर अध्ययन किया, जिसमें 78% बच्चे कुपोषण मुक्त हो गए। यह परिणाम इसलिए उत्साहजनक है, क्योंकि मौजूदा पोषाहार से कुपोषण मुक्ति की दर केवल 40% है।

पीलीभीत में अंग्रेजों के जमाने के 2 पुल पूरी तरह से बंद

एजेंसी । पीलीभीत

पीलीभीत से उत्तराखंड पहुंचना अब मुश्किल हो गया है। पूरनपुर तहसील में ब्रिटिश काल में बने हरदोई ब्रांच नहर पर बने तीन प्रमुख पुलों डगा, कलीनगर और चितरपुर की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि दो पुलों को बंद कर दिया गया है। इसमें डगा और कलीनगर पुल शामिल हैं, जबकि चितरपुर पुल पर हाइट गेज लगाकर ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। इससे पीलीभीत टाइगर रिजर्व (पीटीआर) और उत्तराखंड के खटीमा क्षेत्र तक पहुंचना अब मुश्किल हो गया है।

1925 में हुआ था दोनों पुलों का निर्माण

हरदोई ब्रांच नहर शारदा मुख्य नहर से जुड़ी है। इस पर करीब 250 मीटर लंबे तीनों पुल बने हैं। हरदोई की पूरनपुर तहसील स्थित तीनों पुलों डगा, कलीनगर और चितरपुर का निर्माण आजादी से भी पहले 1925 में हुआ था। तब से आज तक यही पुल उत्तराखंड जाने के लिए आसान रास्ता हैं। लखनऊ से आने वाले वाहन इन्हीं पुलों के जरिए उत्तराखंड के खटीमा जाते हैं। करीब 30 से 40 हजार वाहन रोजाना इन पुलों से गुजरते हैं। अब डगा और कलीनगर पुलों को बंद कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि ये पुल अपनी उम्र पूरी कर चुके हैं। साथ ही काफी जर्जर भी हो चुके हैं। चितरपुर पुल की हालत भी फिलहाल काफी जर्जर है। पहले डगा पुल पर

मार्च माह दरारें आने के बाद इसे बंद कर दिया गया। इसके बाद वैकल्पिक रूप से कलीनगर पुल से लोग आवाजाही करने लगे, लेकिन अब उस पर भी दरारें आ जाने के कारण आवागमन रोक दिया गया है। ऐसे में अब बचा एकमात्र चितरपुर पुल भी पूरी क्षमता के साथ काम नहीं कर पा रहा है। चितरपुर पुल से हाइट गेज लगाकर भारी वाहनों का आवागमन रोक दिया गया है।

व्यापार जगत

सेंसेक्स में 1,000 अंक की तेजी निफ्टी 304 अंक ऊपर

एजेंसी । मुंबई

भू-राजनीतिक तनाव कम होने और चुनिंदा बड़ी कंपनियों के शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में जहां 1,000 अंक का जोरदार उछाल आया, वहीं निफ्टी 304 अंक चढ़ गया। बीते तीन सत्र में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 9।70 लाख करोड़ रुपए बढ़ गई। विश्लेषकों के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी तनाव शांत होने और घरेलू स्तर पर उपजे आशावाद ने निवेशकों की धारणा को मजबूती दी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में मजबूती के रुख से भी तेजी को समर्थन मिला।

इन कंपनियों के शेयरों में रही बढ़त

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एक्सिस बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से तेजी रही। इसके उलट ट्रेंट, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, मारुति और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट का रुख देखने को मिला। निवेशकों का भरोसा लौटाजानकारों ने कहा, पश्चिम एशिया में युद्धविराम के बाद मानक सूचकांक ने निवेशकों के तगड़े भरोसे को दर्शाया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली लगातार जारी है,

सोना 98600 और चांदी 103100 रुपए पर कायम

नई दिल्ली। गुरुवार को राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं आया। सोने का भाव 98,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु भी 98,050 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रही। वहीं, चांदी की कीमतें भी गुरुवार को 1,03,100 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर रहीं।अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टी की है। वैश्विक मोर्चे पर, सोना हाजिर मामूली बढ़त के साथ 3,334.41 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों की बिक्री 6 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में देश की सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों की बिक्री में 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में यह वृद्धि 3.5 प्रतिशत रही थी। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, इस वृद्धि में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, खाद्य एवं पेय पदार्थ और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर की भूमिका सबसे अहम रही है।

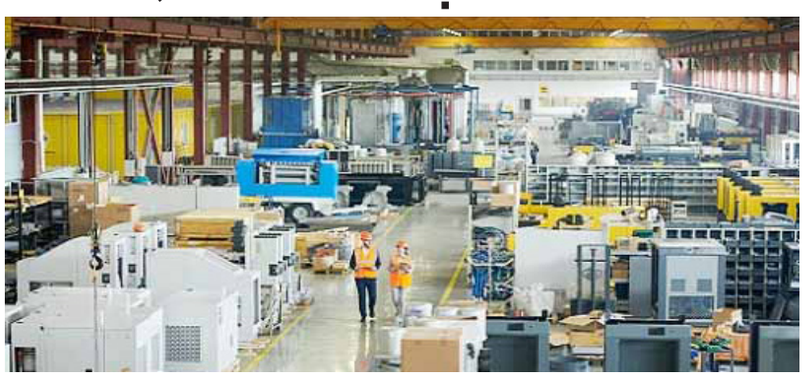

पेट्रोलियम और इस्पात क्षेत्र की बिक्री घटी

हालांकि रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि पेट्रोलियम और लोहा-इस्पात जैसे प्रमुख क्षेत्रों में बिक्री में गिरावट दर्ज की गई है। यह रिपोर्ट 3,902 सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (NGNF) कंपनियों के संक्षिप्त वित्तीय परिणामों पर आधारित है, जिसे आरबीआई ने गुरुवार को जारी किया। आरबीआई के अनुसार, 2024-25 में गैर-वित्तीय निजी कंपनियों की कुल बिक्री वृद्धि 7।2% रही, जो पिछले वर्ष 4.7% थी।

पूर्वोत्तर और झारखंड में 11 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने पूर्वोत्तर और झारखंड में चल रही 11 प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की है। इन परियोजनाओं से जुड़े 18 महत्वपूर्ण मुद्दों को चिन्हित किया गया है, जिनकी कुल अनुमानित लागत 74,000 करोड़ से अधिक बताई गई है।

पीएमजी के माध्यम से प्रगति की निगरानी

समीक्षा बैठक में परियोजना निगरानी समूह (PMG) की भूमिका पर जोर दिया गया। सचिव ने कहा कि केंद्र और राज्य प्राधिकरणों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए बाधाएं दूर की जाएं और प्रोजेक्ट्स को गति दी जाए।

पतरातू थर्मल पावर स्टेशन और अरुणाचल की पेट्रोलियम परियोजना पर विशेष ध्यान

बैठक में झारखंड की पतरातू थर्मल पावर स्टेशन एक्सटेंशन प्रोजेक्ट की भी विस्तृत समीक्षा की गई। वहीं अरुणाचल प्रदेश में जियोएनप्रो पेट्रोलियम लिमिटेड की 1,000 करोड़ की निजी परियोजना से जुड़े अड़चनों पर भी चर्चा हुई। डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप भाटिया ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि इस परियोजना को उच्च प्राथमिकता पर लेते हुए सभी आवश्यक मदद दी जाए, ताकि इसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

बैंकों को 50 बीपीएस दर कटौती का लाभ ग्राहकों तक तुरंत पहुंचाना होगा

मुंबई। आरबीआई की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सभी बैंकों को नीतिगत दरों का लाभ तेजी से ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपनी ऋण दरों में कमी करनी चाहिए। इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की गई थी। रिजर्व बैंक के जून बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में इस बात पर जोर दिया गया कि वित्तीय स्थितियां ब्याज दरों में कटौती का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए अनुकूल बनी हुई हैं। अधिकांश बैंकों ने फरवरी और अप्रैल में घोषित ब्याज दरों में कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को पहले ही दे दिया है। यहां यह उल्लेख करना उचित होगा कि भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ

बड़ौदा और एचडीएफसी बैंक सहित कई बड़े बैंकों ने 6 जून को आरबीआई द्वारा रेपो दर में 50 आधार अंकों की भारी कटौती के कुछ ही दिनों के भीतर बेंचमार्क ऋण दर से जुड़ी ब्याज दर को उधारकर्ताओं पर समान अंतर से लागू कर दिया है।

रिलायंस फिर 20 लाख करोड़ रुपए के पार

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गुरुवार को करीब दो प्रतिशत की तेजी आई और कंपनी का बाजार पूंजीकरण एक बार फिर 20 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गया। बीएसई पर कंपनी का शेयर 1.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,495.20 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 37,837.9 करोड़ रुपए बढ़कर 20,23,375.31 करोड़ रुपए हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड पिछले साल 13 फरवरी को 20 लाख करोड़ रुपए का बाजार पूंजीकरण हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बन गई थी। इसके बाद शीर्ष

पांच कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,51,218.93 करोड़ रुपए, टीसीएस का 12,45,219.09 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल का 11,48,518.05 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,27,838.79 करोड़ रुपए है।

जिम्बाब्वे महिला टीम पहली बार खेलेगी आईसीसी महिला चैंपियनशिप

न्यूज़ीलैंड दौरे से होगा आगाज़

एजेंसी । हरारे

जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम इतिहास रचने के लिए तैयार है। पहली बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में हिस्सा लेने जा रही जिम्बाब्वे की टीम अगले साल फरवरी-मार्च 2026 में न्यूज़ीलैंड दौरे पर जाएगी, जहां वह तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। यह मुकाबले जिम्बाब्वे की महिला चैंपियनशिप में आधिकारिक शुरुआत होंगे। तीन वनडे मैच 5, 8 और 11 मार्च को डुनेडिन में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 25 फरवरी, 27 फरवरी और 1 मार्च को हैमिल्टन में होंगे। यह टी20 मुकाबले भी दोनों टीमों के बीच पहले आधिकारिक महिला टी20 मुकाबले होंगे। आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2025-29 चक्र में जिम्बाब्वे की टीम को कुल आठ श्रृंखलाएं खेलनी हैं—चार घर में और चार विदेश में। जिम्बाब्वे घरेलू मैदान पर दक्षिण अफ्रीका, वेस्ट इंडीज, श्रीलंका और आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी, जबकि विदेशी दौरे भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूज़ीलैंड के होंगे।

अफगानिस्तान एकमात्र अपवाद

जिम्बाब्वे के शामिल होने के साथ ही महिला चैंपियनशिप में अब आईसीसी के 12 में से 11 पूर्ण सदस्य देश हिस्सा ले रहे हैं। केवल अफगानिस्तान इस प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं है, जहां अगस्त 2021 में तालिबान शासन के आने के बाद महिला क्रिकेट कार्यक्रम को बंद कर दिया गया था।

महिला विश्व कप 2029 की राह

यह चैंपियनशिप 2029 में होने वाले महिला वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का मुख्य रास्ता है। 2025-29 का यह चक्र आईसीसी महिला चैंपियनशिप का चौथा संस्करण है। जिम्बाब्वे की इस प्रतियोगिता में एंट्री के बाद अब इसमें 11 टीमें हिस्सा ले रही हैं। अब तक जिम्बाब्वे महिला टीम ने छह टीमों के खिलाफ वनडे मुकाबले खेले हैं, जिनमें से बांग्लादेश, आयरलैंड और पाकिस्तान आईसीसी के पूर्ण सदस्य हैं।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने जताया गर्व

जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) के प्रबंध निदेशक गिवेमोर माकोनी ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे लिए गर्व और रोमांच का क्षण है कि जिम्बाब्वे महिला टीम अब वैश्विक स्तर पर शीर्ष क्रिकेट में कदम रख रही है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी महिला क्रिकेट कितनी आगे बढ़ी है और यह हमारे विजन और निवेश की भी पुष्टि करता है।

सील्स ने ऑस्ट्रेलिया को सबसे कम स्कोर पर समेटा

पहला टेस्ट

ब्रिजटाउन। जायडन सील्स (पांच विकेट) और शेमार जोसेफ (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को 180 रन पर आउट कर दिया। हालांकि मेहमान टीम ने वापसी करते हुए विंडीज के चार विकेट भी जल्दी झटक लिए। खेल समाप्त होने पर मेजबान टीम ने चार विकेट पर 57 रन बनाए थे। ब्रेंडन किंग पदार्पण करते हुए 23 रन बनाकर खेल रहे थे। मिचेल स्टार्क ने शुरुआत में ही क्रेग ब्रैथवेट और जॉन कैंपबेल को आउट करके मेजबान टीम का स्कोर 16/2 कर दिया। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड ने दबाव जारी रखा और एक-एक विकेट लिए।

शीर्ष क्रम ढहा

कंगारू टीम का शीर्ष क्रम जल्दी ही ढह गया जिससे एक घंटे के खेल के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 22 रन था। फिर ख्वाजा ने ट्रेविस हेड के साथ 89 रन की साझेदारी की जो ऑस्ट्रेलियाई पारी की सबसे बड़ी साझेदारी थी। हेड चाय के बाद अपना विकेट गंवा बैठे। उसके बाद निचले क्रम की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ ट्रेविस हेड (59), उस्मान ख्वाजा (47) और कप्तान पैट कमिंस (28) ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। सील्स ने 60 रन देकर पांच विकेट लिए लेकिन जोसेफ सबसे प्रभावी रहे जिन्होंने 46 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने तीसरी बार टेस्ट में पांच विकेट लिए हैं।

विंडीज में न्यूनतम स्कोर

पहले दिन बुधवार का ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन पर सिमट गई जो विंडीज में उसका न्यूनतम स्कोर है। दो सप्ताह पहले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले दिन 212 रन पर आउट हो गई थी। ब्रैंडन किंग को अपने पहले टेस्ट में ही मुश्किल दिन का सामना करना पड़ा। उन्होंने तीन कैच छोड़े, जिनमें से दो गली में थे।

बोटाफोगो के अनुभवी डिफेंडर बास्टोस फीफा क्लब वर्ल्ड कप से बाहर

फिलाडेल्फिया। अनुभवी डिफेंडर बास्टोस को घुटने की पुरानी चोट दोबारा उभरने के कारण बोटाफोगो की फीफा क्लब वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया गया है। ब्राज़ीलियन क्लब ने बुधवार को यह जानकारी दी। 34 वर्षीय अंगोला अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बास्टोस ने सोमवार को एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ 1-0 से मिली हार में बतौर अनयूज़्ड सब्स्टीट्यूट टीम में जगह बनाई थी। वह फरवरी से चोट के कारण बाहर थे, लेकिन हाल ही में फिट होकर टीम में लौटे थे। हालांकि मैच के बाद उन्होंने घुटने में फिर से तकलीफ की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए ब्राज़ील भेजा जा रहा है। बोटाफोगो ने ग्रुप बी में दूसरा स्थान हासिल किया है और अब वह शनिवार को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 मुकाबले में अपने ब्राज़ीलियन प्रतिद्वंदी पल्मेरास से भिड़ेगा। बास्टोस, जिन्हें अंगोला के लिए 58 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अनुभव है, ने 2023 में अल-अहली से बोटाफोगो में शामिल होने के बाद क्लब के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 60 मैच खेले हैं। वह उस बोटाफोगो टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने पिछले साल कोपा लिबर्टाडोरेस (दक्षिण अमेरिका की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता) और ब्राज़ीलियाई सेरी ए का खिताब जीता था।

आकाशी कश्यप ने जीत के साथ किया आगाज़

कोरबा। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आकाशी कश्यप ने योनक्स यूएस ओपन 2025 की शानदार शुरुआत करते हुए चीनी ताइपे की टिंग यू लियांग को सीधे सेटों में हराकर महिला एकल के राउंड ऑफ 32 में जगह बना ली है। यह मुकाबला एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 300 टूर्नामेंट के तहत खेला गया। मैच की पहली सर्विस से ही आकाशी ने आक्रामक और चतुर खेल का प्रदर्शन किया। उनकी कोर्ट कवरेज, ड्रॉप शॉट्स और रणनीतिक चालों ने प्रतिद्वंद्वी को लगातार बैकफुट पर रखा। उनकी यह जीत अंतरराष्ट्रीय अनुभव और निरंतर मेहनत का परिणाम रही। अब आकाशी की अगली टक्कर राउंड ऑफ 16 में मलेशिया की के. लेत्शाना से होगी। यह मुकाबला दो युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच जोरदार भिड़ंत साबित हो सकता है।

इलीट मुक्केबाजी टूर्नामेंट कल से

लवलीना-निकहत पर रहेंगी निगाहें

एजेंसी । हैदराबाद

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले इलीट महिला मुक्केबाजी टूर्नामेंट में खिताब हासिल करने की कोशिश करेंगी। एक जुलाई तक चलने वाले टूर्नामेंट में पूर्व विश्व युवा चैंपियन अंकुशिता बोरो सहित कई प्रमुख मुक्केबाज हिस्सा लेंगी।

तीन मिनट के तीन राउंड

चैंपियनशिप का आयोजन विश्व मुक्केबाजी के तकनीकी एवं प्रतियोगिता नियमों के अनुसार किया जाएगा जिसमें प्रत्येक मैच में तीन-तीन मिनट के तीन राउंड होंगे जिनके बीच में एक मिनट का आराम होगा। महासंघ अध्यक्ष और अंतरिम समित के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, यह टूर्नामेंट भारतीय मुक्केबाजी की प्रतिस्पर्धी संरचना को मजबूत करने के लिए बनाया गया। इससे हमारी शीर्ष मुक्केबाजों को प्रतिस्पर्धी 'एक्सपोजर और युवा मुक्केबाजों को अनुभवी मुक्केबाजों को चुनौती देने का मंच मिलेगा।

15 इकाइयों की मुक्केबाज

तेलंगाना राज्य संस्था भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) और तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अंतर्गत इस टूर्नामेंट का आयोजन करेगी जिसमें 15 इकाइयों की मुक्केबाज हिस्सा लेंगी। अन्य प्रमुख मुक्केबाजों में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता मनीषा मौन, ओलंपियन प्रीति, विश्व युवा चैंपियन अरुंधति चौधरी भी शामिल हैं जो 100 से अधिक मुक्केबाजों के साथ रिंग में उतरेंगी। इसके बाद दस वजन वर्गों के प्रत्येक वर्ग के स्वर्ण और रजत पदक विजेता को पटियाला में इलीट राष्ट्रीय शिविर में जुड़ने का मौका मिलेगा।

तन्वी एशियाई बैडमिंटन जूनियर चैंपियनशिप के लिए टीम में शामिल

एजेंसी । नई दिल्ली

उभरती हुई शटलर तन्वी शर्मा को बैडमिंटन एशियाई जूनियर चैंपियनशिप (टीम और व्यक्तिगत) के लिए भारत की 19 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह प्रतियोगिता इंडोनेशिया के सोलो में 18 से 27 जुलाई तक आयोजित की जाएगी।

भार्गव-विश्व से उम्मीदें

जूनियर विश्व नंबर एक पुरुष युगल टीम भार्गव राम एरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू से भी भारत को उम्मीदें होंगी। तन्वी ने भी बैडमिंटन एशिया महिला टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। टीम स्पर्धा 18 से 22 जुलाई तक होंगी जबकि व्यक्तिगत मुकाबले 23 से 27 जुलाई तक खेले जाएंगे। टीम स्पर्धा रिले प्रारूप में होगी जिसमें 110 अंक तक पहले पहुंचने वाली टीम विजयी होगी। इसकी शुरुआत ग्रुप चरण से होगी जिसके बाद नॉकआउट मुकाबले होंगे।

इंडोनेशिया जाने से पहले टीम 4 से 15 जुलाई तक गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र पर अभ्यास के लिए एकत्र होगी। इसी केंद्र पर इस साल के आखिर में बीडब्ल्यूएफ जूनियर विश्व चैंपियनशिप भी होनी है। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, भारत के जूनियर सर्किट से विश्व स्तरीय प्रतिभाएं निकल रही हैं। इस शिविर से इन प्रतिभाओं को पदक जीतने के लिए तैयार किया जाएगा।

टीम :

पुरुष एकल : अंश नेगी, हमार लालथाजुआला, रौनक चौहान, प्रणव राम एन

महिला एकल : रुजुला रामू, तन्वी शर्मा, तन्वी रेड्डी, वेन्नाला कालागोटला

पुरुष युगल : भव्या छाबड़ा और परम चौधरी, भार्गव राम एरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू

महिला युगल : वेन्नाला कालागोटला और रेशिका यू, गायत्री रावत और मंसा रावत

मिश्रित युगल : विष्णु केदार कोडे और कीर्ति मंचाला, सी लालरामसंगा और तारिनी सूरी

बॉलीवुड

सोनाक्षी की फिल्म टली

इन दिनों सोनाक्षी सिन्हा अपनी अपकमिंग फिल्म 'निकिता रॉय' का जमकर प्रमोशन कर रहे हैं। दरअसल, 27 जून को यह फिल्म रिलीज होने वाली थी। मगर कुछ जरूरी कारणों से इसको आगे बढ़ा दिया गया। फिल्म अब कब रिलीज होगी, जानिए?

मेकर्स ने फिल्म टालने की वजह की साझा

'निकिता रॉय' के मेकर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की अगली रिलीज डेट साझा की है। पोस्ट में लिखा है, 'हमारी फिल्म 'निकिता रॉय' कई और फिल्मों की रिलीज के बीच खुद को देख रही है, स्क्रीन को लेकर भी स्ट्रगल बना हुआ है। ऐसे में अपने वेलविशर, डिस्ट्रीब्यूटर्स की सलाह पर फिल्म 'निकिता रॉय' को 18 जुलाई तक टालने का फैसला लिया है। जिससे हम ज्यादा से ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच पाएंगे। अब तक आपने फिल्म को लेकर जो प्यार दिखाया है, उसके लिए शुक्रिया। आपको थोड़ा इंतजार करना होगा। हम आपसे वादा करते हैं कि यह फिल्म सिनेमाघरों में देखने लायक होगी।'

क्या है फिल्म की कहानी

फिल्म 'निकिता रॉय' में सोनाक्षी ने एक जासूस का रोल किया है। जिसका मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है। वह व्यक्ति लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है। यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं।

सोनाक्षी के लिए खास है ये फिल्म

फिल्म 'निकिता रॉय' को लेकर सोनाक्षी एक्साइटेड थी, मगर अब इसकी रिलीज टल चुकी है। बताते चलें कि साल 2022 में सोनाक्षी की फिल्म 'डबल एक्सएल' थिएटर में रिलीज हुई। इसके बाद काकुड़ा भी आई, मगर ओटीटी पर रिलीज हुई। ऐसे में देखा जाए तो तीन साल बाद सिनेमाघरों में सोनाक्षी की फिल्म रिलीज होने वाली थी, इसमें भी अब देरी होगी।

'मौत' का आखिरी खेल शुरू

दुनियाभर में तहलका मचाने वाली कोरियन सीरीज 'स्क्विड गेम' अब अपने तीसरे और अंतिम सीजन के साथ एक बार फिर वापसी कर रही है। पहले दो सीजन में जहां मौत के खेल की कहानी ने दर्शकों को हैरान कर दिया, वहीं अब इस सीजन में और भी ज्यादा रोमांच, धोखा और भावनात्मक टकराव देखने को मिलेगा। 'स्क्विड गेम 3' को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ये मच अवेटेड सीजन 27 जून 2025 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रहा है। मध्यरात्रि 12 बजे सीजन ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो जाएगा। खास बात ये है कि भारत में ये शो दोपहर 12:30 बजे से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा और इसके सभी 6 एपिसोड एक साथ लॉन्च किए जाएंगे। नेटफ्लिक्स के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर इसकी पुष्टि करते हुए लिखा गया है- गुड लुक्स देट केन किल'।

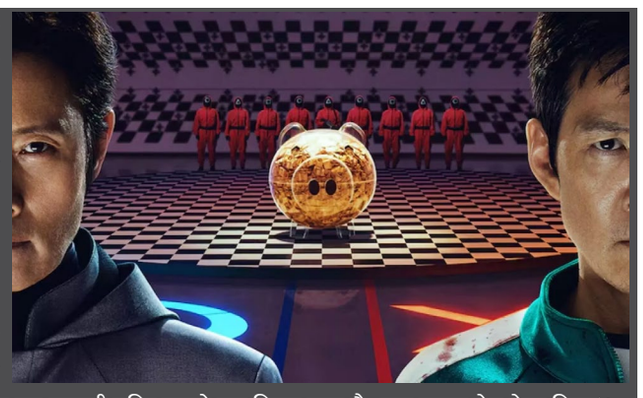

कहानी में क्या नया होगा?

तीसरे सीजन की शुरुआत वहीं से होती है जहां दूसरा सीजन खत्म हुआ था। प्लेयर 456 यानी गी-हुन इस बार बदले की भावना से खेल में वापस आता है। उसका मकसद है - इस भयानक खेल को हमेशा के लिए खत्म करना। लेकिन इस बार गेम और भी खतरनाक हो चुका है। जहां पिछली बार गेम जीतने के बाद उसे उम्मीद थी कि वो बदलाव ला पाएगा, वहीं अब वह खुद सिस्टम का हिस्सा बनने की कगार पर है। फिनाले में गी-हुन को फ्रंट मैन द्वारा अपने सबसे करीबी दोस्त की मौत का गवाह बनना पड़ता है, जिससे वो टूट जाता है। लेकिन खेल खत्म नहीं होता, बल्कि और खतरनाक हो जाता है।

कौन-कौन हैं कास्ट में?

ली जंग-जे फिर से गी-हुन की भूमिका में नजर आएंगे। ली ब्युंग-हुन इस बार भी फ्रंट मैन की भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही नए किरदारों में कांग हा-न्यूल (डे-हो), पार्क ग्यू-यंग (नो-ईल), यांग डोंग-ग्यून (योंग-सिक) और जो यूरी (जुन-ही) जैसे सितारे भी शामिल हैं। ये सीजन सिर्फ एक सर्वाइवल गेम नहीं बल्कि इंसान की जिद और सिस्टम के खिलाफ उसके संघर्ष की दास्तान है। सवाल ये है कि क्या गी-हुन इस बार गेम को तोड़ पाएगा या फिर वह खुद इस हिंसक सिस्टम का हिस्सा बनकर खत्म हो जाएगा? गौरतलब है ये सीजन इस सीरीज का आखिरी सीजन है, यानी इसके आखिर में कोई ना कोई निष्कर्ष जरूर निकल जाएगा। अब क्या वो गी-हुन के पक्ष में होगा या फिर उसके विपरीत होगा, ये देखना काफी दिलचस्प होगा।

'सन ऑफ सरदार 2' का टीजर रिलीज, हंसी-ठहाकों के बीच दिखा शानदार एक्शन

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का टीजर रिलीज हो गया है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। इस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी का किरदार निभाया है। इसके टीजर में जोरदार कॉमेडी देखने को मिल रही है और साथ-साथ एक्शन की भी झलक दिखी है।

दिग्गज कलाकारों से सजी है यह फिल्म

बड़े इंतजार के बाद अजय देवगन की आगामी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' का टीजर आज गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इसके टीजर में दिखाया गया है कि अजय देवगन एक बार फिर से जस्सी के किरदार में वापस आ रहे हैं। फिर वह एक विदेशी शादी के चक्कर में फंस जाते हैं, जिसके बाद सारा ड्रामा शुरू हो जाता है और भरपूर एक्शन भी दिखाई देता है। इसके अलावा फिल्म के टीजर में मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे, दीपक डोबरियाल, कुबरा सैत, शरत सक्सेना, अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। अंत में दिखाया जाता है कि अजय देवगन पंजाब में तो सर्वाइव कर गए, पर क्या स्कॉटलैंड में टिक पाएंगे?

दिवंगत अभिनेता मुकुल देव भी आ रहे हैं नजर

इस टीजर में एक सीन ने दर्शकों को भावुक कर दिया। इसमें दिवंगत अभिनेता मुकुल देव भी दिखाई दे रहे हैं, जो फिल्म में टोनी का किरदार निभाएंगे। पिछले महीने मई में अभिनेता का निधन हो गया था। यह उनकी आखिरी फिल्म साबित हुई।

एयर इंडिया विमान क्रैश का खुलेगा राज

ब्लैक बॉक्स की मेमोरी हुई एक्सेस

AAIB-NTSB ने शुरू किया विश्लेषण, डेटा निकालने की प्रोसेस शुरू

एजेंसी । नई दिल्ली/अहमदाबाद

अहमदाबाद प्लेन क्रैश की गुत्थी अब सुलझने वाली है।ब्लैक बॉक्स पर बड़ा अपडेट सामने आया है।जांचकर्ताओं ने 12 जून को अहमदाबाद में क्रैश हुए एयर इंडिया प्लेन के ब्लैक बॉक्स से डेटा रिकवर कर लिया है।क्रैश हुए एयर इंडिया प्लेन के फ्रंट ब्लैक बॉक्स से डेटा प्राप्त कर डाउनलोड कर लिया गया है।मेमोरी मॉड्यूल को भी सफलतापूर्वक एक्सेस किया गया है।फिलहाल, पूरे मामले की जांच जारी है।दरअसल AAIB और NTSB ने ब्लैक बॉक्स और CVR का डेटा निकालना शुरू किया कर दिया है।मेमोरी मॉड्यूल से डेटा सफलतापूर्वक एक्सेस और डाउनलोड किया गया है।मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन के मुताबिक, सीवीआर और एफडीआर डेटा का विश्लेषण जारी है।इसका मकसद दुर्घटना की वजहों का पता लगाकर भविष्य की सुरक्षा मजबूत करना है।

13 जून को मिला था ब्लैक बॉक्स

एयर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का ब्लैक बॉक्स 13 जून को घटनास्थल से बरामद किया गया था।ब्लैक बॉक्स एक छोटा उपकरण होता है जो उड़ान के दौरान विमान के बारे में जानकारी रिकॉर्ड करता है। यह विमानन दुर्घटनाओं की जांच में मदद करता है।हादसे के बाद सरकार ने कहा कि घटना के बाद हादसे के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय पैनल का गठन किया गया था।और जांच सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है।

ब्लैक बॉक्स की रिकवरी और हैंडलिंग का पूरा ब्योरा

सीवीआर यानी कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) और एफडीआर फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (FDR) दोनों को रिकवर किया गया।पहला ब्लैक बॉक्स 13 जून 2025 को हादसे की जगह पर एक इमारत की छत से मिला।दूसरा ब्लैक बॉक्स 16 जून 2025 को मलबे से बरामद किया गया।इन उपकरणों की सुरक्षा, हैंडलिंग और ट्रांसपोर्ट के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं लागू की गईं।ब्लैक बॉक्स को अहमदाबाद में 24×7 पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी में रखा गया।

ब्लैक बॉक्स को कब दिल्ली लाया गया?

24 जून 2025 को दोनों ब्लैक बॉक्स को वायुसेना के विमान द्वारा अहमदाबाद से दिल्ली लाया गया।पहला ब्लैक बॉक्स DG, AAIB के साथ दोपहर 2:00 बजे AAIB लैब, दिल्ली पहुंचा।दूसरा ब्लैक बॉक्स शाम 5:15 बजे AAIB की दूसरी टीम द्वारा दिल्ली लाया गया।

अभी क्या हो रहा?

24 जून की शाम से DG, AAIB के नेतृत्व में AAIB और NTSB के तकनीकी सदस्यों ने डेटा एक्सट्रैक्शन की प्रक्रिया शुरू की।25 जून को फ्रंट ब्लैक बॉक्स के क्रैश प्रोटेक्शन मॉड्यूल (CPM) से मेमोरी मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से निकाला गया और डेटा को सफलतापूर्वक डाउनलोड किया गया।CVR और FDR डेटा का विश्लेषण जारी है।

गुजरात आप विधायक को पार्टी से पांच वर्षों के लिए निकाला

पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप, सभी पदों से पहले ही दे चुके हैं इस्तीफा

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका देते हुए पाटण जिले के विधायक उमेश मकवाना को पार्टी ने पांच वर्षों के लिए निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई उनके द्वारा पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों बाद की गई। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

सभी पदों से इस्तीफा देने की घोषणा

गांधीनगर में प्रेस को संबोधित करते हुए उमेश मकवाना ने कहा कि उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और विधानसभा में सचेतक पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह अब सिर्फ एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में पार्टी के लिए काम करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह विधायक पद से भी इस्तीफा देंगे, तो मकवाना ने कहा कि वे अपने क्षेत्र की जनता से सलाह-मशविरा करने के बाद इस पर निर्णय लेंगे।

इसुदान गढ़वी ने की निलंबन की घोषणा

उनके बयान के बाद तुरंत ही गुजरात आप अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने उन्हें पार्टी से निलंबित करने की घोषणा कर दी। गढ़वी ने कहा, उमेश मकवाना को पार्टी और गुजरात विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने के कारण आम आदमी पार्टी से पांच वर्षों के लिए निलंबित किया जा रहा है।

पार्टी में उठ सकते हैं अंदरूनी सवाल

उमेश मकवाना गुजरात में आम आदमी पार्टी के कुछ चुनिंदा विधायकों में से एक थे। उनके निलंबन से पार्टी में अंदरूनी असंतोष और अस्थिरता के संकेत मिल सकते हैं। पार्टी के लिए यह कदम आगामी समय में राजनीतिक रणनीति और जनाधार दोनों पर असर डाल सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

राज्य का दर्जा बहाल करने पर जल्द पूरी हो चर्चा : उमर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने पर चर्चा जल्द पूरी होनी चाहिए, ताकि लोगों को वह मिल सके जिसकी वे मांग कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख एनसीसी निदेशालय द्वारा आयोजित एक विशेष राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए कई परियोजनाओं को मंजूरी दिए जाने की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि चर्चा होनी चाहिए, यह अच्छी बात है। लेकिन हम चाहते हैं कि चर्चा जल्द पूरी हो और हमें वह मिले जिसकी हम मांग कर रहे हैं।

आतंकवाद और शांति-समृद्धि साथ-साथ नहीं चल सकते: राजनाथ

किंगदाओ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि आतंकवाद के दोषियों, वित्तपोषकों एवं प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इससे निपटने में दोहरा मापदंड नहीं अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांति-समृद्धि और आतंकवाद साथ नहीं चल सकते। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ देश आतंकवादियों को पनाह देने के लिए सीमा पार आतंकवाद का इस्तेमाल नीतिगत साधन के रूप में कर रहे हैं। वह एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए बुधवार को चीन के बंदरगाह शहर किंगदाओ पहुंचे थे।

हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में राजभाषा विभाग के कार्यक्रम में कहा- किसी भी भाषा का विरोध नहीं है। किसी विदेशी भाषा से भी कोई विरोध नहीं करना चाहिए। लेकिन आग्रह हमारी भाषा को बोलने, उसे सम्मान देने और हमारी भाषा में सोचने का होना चाहिए। शाह ने आगे कहा- मैं मन से मानता हूं कि हिंदी किसी भी भारतीय भाषा की विरोध नहीं हो सकती। हिंदी सभी भारतीय भाषाओं की सखी है।

'चुनाव आयोग बना भाजपा का औजार'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि आयोग 1987 से 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं से नागरिकता का प्रमाण मांगकर पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करने की कोशिश कर रहा है। दीघा के तटीय शहर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है और इसी कारण उन्होंने तत्काल प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। ममता बनर्जी फिलहाल पुरबा मेदिनीपुर जिले में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की तैयारियों का जायजा लेने पहुंची हैं।

'बाज, गिद्ध और चील शिकार करते रहते हैं'

शशि थरूर के 'उड़ान' वाले बयान पर कांग्रेस का पलटवार

नई दिल्ली। कांग्रेस और पार्टी सांसद शशि थरूर के बीच दिन-ब-दिन तकरार बढ़ती जा रही है। कांग्रेस अंदर अपने आलोचकों को संदेश देने के लिए की गई 'उड़ान' वाली पोस्ट पर पार्टी के सांसद ने शिकारी पक्षी वाली पोस्ट डालकर पलटवार किया है। दरअसल, शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में प्रशंसा की थी, जिसको लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उनकी फटकार लगाई थी। इस पर शशि थरूर ने बीते दिन बुधवार (25 जून) को एक पक्षी वाली पोस्ट शेयर कर निशाना साधा और लिखा, ₹उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान किसी का नहीं है।₹ अब इस पोस्ट पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार किया है।

क्या कहा मणिकम टैगोर ने?

कांग्रेस नेतृत्व के करीब माने जाने वाले कांग्रेस सांसद ने कहा, ₹उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए इजाजत की जरूरत नहीं होती... लेकिन आज के समय में एक स्वतंत्र पक्षी को भी आसमान देखना चाहिए- बाज, गिद्ध और 'चील' हमेशा शिकार करते रहते हैं। स्वतंत्रता मुफ्त नहीं है, खासकर तब जब शिकारी देशभक्ति को पंखों की तरह पहनते हैं।इस पोस्ट में उन्होंने 6 शिकारी पक्षियों का वर्णन किया है, जिसमें बाल्ड ईगल, रेड-टेल्ड हॉक, ऑस्प्रे, अमेरिकन केस्ट्रल, टर्की वल्चर और ग्रेट हॉर्नड उल्लू।

कर्नाटक कांग्रेस में घमासान पर पूर्णविराम

मुख्यमंत्री का प्रशासन पर पूरा नियंत्रण: डीके शिवकुमार

एजेंसी । बेंगलुरु

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के भीतर असंतोष की खबरों के बीच उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का बचाव किया है। उन्होंने इन दिनों लगातार सुर्खियों में चल रहे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के प्रशासन पर से नियंत्रण खोने की बात को सिरे से खारिज कर दिया है। शिवकुमार ने कहा कि सीएम ने कोई नियंत्रण नहीं खोया है। ऐसा कुछ नहीं है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आप (मीडिया) इस मुद्दे को बेवजह तूल दे रहे हैं। शिवकुमार ने आगे कहा कि उन्हें इस तरह की किसी बात की जानकारी नहीं है और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से वह लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी मुद्दे हैं, उन्हें पार्टी के नेता सुलझा लेंगे।

कर्नाटक कांग्रेस विधायकों का विरोध

बता दें कि हाल ही में कांग्रेस के दो विधायक, बीआर पाटिल (अलंद) और राजू कागे (कागवाड़) ने सरकार के कामकाज पर खुलेआम सवाल उठाए हैं। जहां एक ओर बीआर पाटिल ने आवास विभाग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जबकि राजू कागे ने विकास कार्यों में देरी और फंड जारी न होने की शिकायत करते हुए इस्तीफे तक की बात कही है। उन्होंने कहा था कि प्रशासन पूरी तरह से ठप हो गया है।

पार्टी में आंतरिक क्लेश का माहौल

कर्नाटक मे कांग्रेस विधायकों की तरफ से अपने ही सरकार के खिलाफ बोलना विपक्षी दलों के लिए निशाना साधने का कारण बना। देखा जाए तो इन बयानों से कांग्रेस सरकार को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया व आवास मंत्री बीजेड. जमीर अहमद खान से इस्तीफे की मांग की है।

सिद्धारमैया ने दोनों विधायकों से की मुलाकात

गौरतलब है कि पार्टी में मतभेद की खबरों के बीच बीते बुधवार को दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दोनों विधायकों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और आश्वासन दिया कि मुद्दों का समाधान किया जाएगा। साथ ही उनसे आग्रह किया कि वे सरकार के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान न दें। इसके अलावा दिल्ली दौरे के दौरान सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला से भी मुलाकात की। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें सलाह दी है कि विधायकों को भरोसे में लें और किसी को भी सरकार के खिलाफ बयानबाजी न करने दें।

निष्क्रिय राजनीतिक दलों पर गिरी गाज

6 साल से निष्क्रिय 345 राजनीतिक दल होंगे सूची से बाहर

चुनाव आयोग ने शुरू की सफाई प्रक्रिया

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने चुनावी सुधारों और राजनीतिक पारदर्शिता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए पिछले 6 वर्षों से निष्क्रिय 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (RUPPs) को सूची से हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कार्रवाई उन दलों के खिलाफ की जा रही है, जिन्होंने 2019 के बाद से किसी भी चुनाव में भाग नहीं लिया और जिनका कोई सक्रिय कार्यालय मौजूद नहीं है।

निष्क्रिय राजनीतिक दलों की होगी छुट्टी

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की टीम इन दलों के पंजीकरण रद्द करने का अंतिम निर्णय लेगी। आयोग ने कहा कि यह फैसला देशभर में मौजूद उन दलों को चिन्हित करके लिया गया है, जो सिर्फ कागज़ों पर अस्तित्व में हैं और चुनावी प्रक्रिया में कोई भागीदारी नहीं रखते।

2,800 से अधिक RUPPs में कई निष्क्रिय

भारत निर्वाचन आयोग के मुताबिक, देश में वर्तमान में 2,800 से ज्यादा RUPPs पंजीकृत हैं, जिनमें से कई संगठन आयोग द्वारा तय न्यूनतम मानदंडों को भी पूरा नहीं करते। इन्हीं में से 345 दल ऐसे पाए गए हैं, जो 2019 के बाद से लोकसभा, विधानसभा या उपचुनाव तक में शामिल नहीं हुए। आयोग ने निष्पक्षता के मद्देनज़र संबंधित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEO) को निर्देश दिया है कि सभी चिन्हित दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाएं। ये दल अपना पक्ष संबंधित CEO के समक्ष रख सकेंगे।

दुरुपयोग रोकने की पहल

ECI ने स्पष्ट किया कि यह कदम उन संस्थाओं द्वारा पंजीकरण से मिलने वाले लाभों के दुरुपयोग को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार, बिना किसी सक्रिय राजनीतिक या चुनावी भूमिका के ये दल सरकारी सुविधाओं का अनुचित लाभ ले रहे हैं, जो लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। निर्वाचन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि यह सफाई अभियान का सिर्फ पहला चरण है।

एक देश एक चुनाव मामले में पक्ष रखेंगे दो पूर्व जज

नई दिल्ली। पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. एस. खेहर एक देश एक चुनाव कराने के प्रस्ताव वाले विधेयकों का अध्ययन कर रही संसदीय समिति के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। सूत्र ने गुरुवार को बताया कि संविधान (एक सौ उनतीसवां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संसद की संयुक्त समिति की अगली बैठक 11 जुलाई को निर्धारित की गई है, जब समिति के सदस्य दोनों सेवानिवृत्त जज के साथ बातचीत करेंगे। इसके अलावा, वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व राज्यसभा सदस्य ई. एम. सुदर्शन नचियप्पन, जो कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर स्थायी समिति के पूर्व अध्यक्ष भी हैं, और पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री तथा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एम. वीरप्पा मोइली भी समिति के समक्ष उपस्थित होंगे। यह 39 सदस्यीय समिति एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे से संबंधित दो विधेयकों की पड़ताल कर रही है, जिसमें संविधान में संशोधन करने वाला एक विधेयक भी शामिल है।

ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी लीक, नौसेना कर्मी गिरफ्तार

पाक हैंडलर से व्हाट्सऐप-टेलीग्राम पर करता था बात

नई दिल्ली/जयपुर। भारतीय नौसेना से जुड़ी एक बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है। जयपुर में खुफिया एजेंसियों ने भारतीय नौसेना के एक क्लर्क विशाल यादव को पाकिस्तानी हैंडलर को ऑपरेशन 'सिंदूर' से जुड़ी खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी यादव दिल्ली स्थित नौसेना भवन के डॉकयार्ड निदेशालय में अपर डिवीजन क्लर्क (UDC) के पद पर तैनात था। सीआईडी सुरक्षा के पुलिस महानिरीक्षक विष्णु कांत गुप्ता ने बताया कि आरोपी को पाकिस्तानी हैंडलर ने सोशल मीडिया पर 'प्रिया शर्मा' नाम की फर्जी महिला प्रोफाइल से जाल में फंसाया। पहले फेसबुक पर बातचीत शुरू हुई, फिर मामला व्हाट्सऐप और टेलीग्राम तक पहुंच गया।

6 हजार से शुरू हुई रकम, 2 लाख तक पहुंचे सौदे

पुलिस के मुताबिक, यादव को शुरू में छोटी जानकारियों के बदले 6,000 दिए गए। धीरे-धीरे उसे ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां लीक करने के लिए 50,000 सहित कुल दो लाख रुपये दिए गए। कुछ भुगतान क्रिप्टोकरेंसी के जरिए भी हुआ।

सुप्रीम कोर्ट ने रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए दिशा-निर्देश जारी किए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सभी रजिस्ट्री शाखाओं में दस्तावेजों के रखरखाव और निपटान के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। एक संदेश में भारत के मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने कई शाखाओं में उत्पन्न प्रशासनिक अभिलेखों की मात्रा और विविधता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। मुख्य न्यायाधीश ने पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए इन रिकॉर्डों को ठीक से प्रबंधित करने और एक तर्कसंगत ढांचा स्थापित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए। इसके अलावा उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार प्रदीप वाई. लाडेकर के प्रयासों की सराहना की। पूरी प्रक्रिया के दौरान उनके स्टाफ सदस्यों ने उनका भरपूर साथ दिया।

यह है दिशा-निर्देश

- रिकॉर्डों को नष्ट करने से पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई अदालती मामला लंबित न हो।
- किसी शाखा के रिकॉर्ड अन्य शाखा से संबंधित हैं, तो मामले के लंबित होने की सूचना भेजनी होगी।
- संबंधित शाखाओं द्वारा रिकॉर्ड नष्ट करने और रखने का काम रजिस्ट्रार से अनुमोदन के बाद होगा।
- वित्तीय और बजट संबंधित दस्तावेजों को 1 अप्रैल से 31 मार्च तक हर वित्तीय वर्ष के लिए अलग होगा।

रणनीति | पश्चिमी नदियों के अधिकतम उपयोग की कवायद शुरू

तुलबुल परियोजना का पुनरुद्धार करने जा रहा भारत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान की नींद उड़ा देने वाली एक बड़ी रणनीति पर काम तेज कर दिया है। वर्षों से विवादों में उलझी तुलबुल नेविगेशन परियोजना को दोबारा शुरू करने की तैयारी जोरों पर है। सूत्रों के मुताबिक, इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जो लगभग एक साल में पूरी हो जाएगी। इसके बाद परियोजना को जमीन पर उतारने का फैसला होगा। यह पूरा मामला ऐसे समय में सामने आया है जब 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty) को 'अस्थायी रूप से निलंबित' कर दिया है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी नदियों सिंधु, चेनाब और झेलम पर सीमित अधिकार हैं। हालांकि अब भारत इन नदियों के अपने हिस्से के पानी का अधिकतम उपयोग करने की रणनीति बना रहा है।

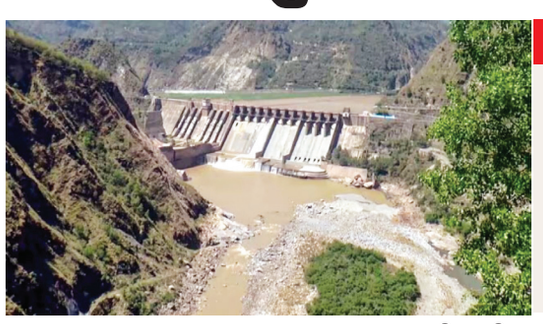

क्या है तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट?

तुलबुल परियोजना जम्मू-कश्मीर में वुलर झील के मुहाने पर बनने वाला एक नियंत्रण ढांचा (नैविगेशन लॉक-कम-कंट्रोल स्ट्रक्चर) है। इसका मकसद सर्दियों में झेलम नदी में जल स्तर बनाए रखना और नौवहन को सुगम बनाना है। हालांकि 1987 में पाकिस्तान के विरोध के चलते यह प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया था।

कश्मीर को होगा सीधा फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि इस परियोजना के पूरा होने से जम्मू-कश्मीर के लोगों को सामाजिक-आर्थिक फायदा मिलेगा। इससे झेलम नदी में जल प्रवाह सुधरेगा, बाढ़ प्रबंधन बेहतर होगा और जलभराव की समस्या भी कम होगी। साथ ही, झेलम में सालभर नौकायन संभव हो सकेगा जिससे व्यापार और आवाजाही आसान होगी।

भारत की दलील- संधि के दायरे में आता है प्रोजेक्ट

भारत का हमेशा से यह कहना रहा है कि तुलबुल परियोजना सिंधु जल संधि के नियमों के भीतर आती है। संधि में भारत को नॉन-कंजम्पटिव उपयोग जैसे नौवहन के लिए पानी का इस्तेमाल करने की अनुमति है, बशर्ते इससे पाकिस्तान के डाउनस्ट्रीम उपयोग पर असर न पड़े।

पाकिस्तान को भारत का सख्त संदेश

पाकिस्तान का आरोप रहा है कि यह परियोजना असल में एक बैराज है, जिसकी भंडारण क्षमता 0.369 अरब घन मीटर है, जो संधि का उल्लंघन है। हालांकि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यह परियोजना जल भंडारण के बजाय जल प्रवाह नियंत्रित करने और नौवहन सुविधा के लिए है।

पंजाब-हरियाणा को भी मिल सकता है फायदा

सूत्रों ने यह भी बताया कि तकनीकी तौर पर एक पश्चिमी नदी से पानी को पंजाब और हरियाणा की ओर मोड़ने की संभावना पर भी विचार चल रहा है। हालांकि फिलहाल सिंधु नदी को मोड़ने पर कोई चर्चा नहीं है। पाकिस्तान की आपत्तियों के बावजूद भारत ने किशनगंगा हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पूरा कर लिया है और रतले परियोजना पर भी तेजी से काम हो रहा है।